वर्ष : 7 अंक : 81 28 मार्च, 2012 मूल्य : 150/- वार्षिक

माली सैनी सन्देश

सच्चा सफर कभी समाप्त नहीं होता ....

जोधपुर माली समाज की परम्परागत रावजी की गैर का विहंगम दृश्य

राव बना माली नवयुवक

आओ रंग लगाएँ
फ़ासले मिटाएँ

" भारतीयता की पहचान हैं। ये रंग
जाति, भाषा, कला, संस्कृति और
अनेक रूप में पूरे भारत को रंगे हुए हैं।
होली का अवसर भारतीयता के रंग में
रंग जाने का पूरे विश्व को संदेश है।
आइये ! सद्भाव के साथ होली मनाएँ।
होली की शुभकामनाएँ।"

अशोक गहलोत
मुख्यमंत्री

NO.RAJHIN12897/20/1/2004-TC

माली सैनी सन्देश

वर्ष : 7 • अंक : 81 • 28 मार्च, 2012 • मूल्य : 150/- वार्षिक

सम्पादक मण्डल

संरक्षक :

श्रीमान रमेशचंद्र कच्छवाहा
(अध्यक्ष, जोधपुर ठेकेदार ऐसोसियेशन)
(अध्यक्ष, माली सैनी समाज सेवा समिति)

सह संरक्षक:

श्री ब्रह्मसिंह चौहान
(पूर्व पार्षद)

प्रेस फोटोग्राफर

जगदीश देवड़ा
(रितू स्टूडियों मो. 94149 14846)

मार्केटिंग इंचार्ज

रामेश्वर गहलोत
(मो. 94146 02415)

कम्प्यूटर

इरशाद ग्राफिक्स, जोधपुर
(मो. 7737651040)

इस अंक में

आवरण कथा

अमरपुरा स्थित संत शिरामणी श्री लिखमीदास जी महाराज के भव्य स्मारक का निर्माण कार्य शुभारंभ

बाबारामदेव होटल में मुख्यमंत्री को दिया विभिन्न मांगों युक्त ज्ञापन

माली समाज अहमदाबाद द्वारा सामूहिक विवाह महोत्सव संपन्न

भरतपुर में आयोजित सामूहिक विवाह में 23 जोड़ों ने थामा हाथ

जोधपुर होली पर पारम्परिक राव के मेलें में उमड़ा समूचा समाज

वैभव गहलोत आरसीए कार्यकारिणी में विशेष आमंत्रित सदस्य

61 जनों की आँखों का ऑपरेशन एवं 653 मरीजों की निःशुल्क जांच

सुभाष सिंगोदिया जिलाध्यक्ष बने

माली समाज का होली स्नेह मिलन समारोह आयोजित

मोनिका सैनी को किया सम्मानित

माली सैनी समाज में सामूहिक विवाहों की धूम

चैन्नई माली समाज में होली स्नेह मिलन की धूम

शिक्षा से ही पिछड़ापन दूर होगा - राजेन्द्र गहलोत

सम्पादक की कलम से ...

सार्थक आयोजन हों सामूहिक विवाह समारोह .....

मनीष गहलोत
प्रधान सम्पादक

आज के इस युग में किसी भी समाज में सामूहिक विवाह का आयोजन उस समाज की सकारात्मक सोच व समाज का विकास के पथ पर दो कदम आगे बढ़ाने का शुभ संकेत माना जाता ह। किसी भी समाज में अगर सामूहिक विवाह के आयोजन की बात होती है तो उस समाज का हर व्यक्ति अपने आपको गौरवान्वित महसूस कर गर्व से यह कह सकता है कि हमारे समाज में एक दहेज रूप दानव व फालतू खर्च को रोककर समाज हित में एक ऐसा बीड़ा उठाया है, जिससे समाज का हर वर्ग एक माला के मोती की तरह एक साथ हो गया है।

सामूहिक विवाह के अपने एक मायने व उद्देश्य है। किसी सामाजिक व सार्वजनिक आर्य को शुरू करने से पहले उसके उद्देश्य व मायनों की ओर ध्यान देना अहम् विषय होता है। आज माली सैनी समाज में भी सामूहिक विवाह की झड़ी सी लग रही है। समाज में जगह-जगह सामूहिक विवाहों का आयोजन समाज बंधुओं अथवा संगठन द्वारा किया जा रहा है। समाज के लिए यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि है परन्तु हमें इन सब बातों से ऊपर उठकर विचार करने की जरूरत है कि समाज के दस-बीस जोड़ों का एक मंडप में बैठाकर विवाह संस्कार संपन्न करवा देना या वर-वधू से एक निश्चित राशि लेकर उनको रिश्तेदारों व समाज के कुछ लोगों को साथ बैठाकर भोजन करवा देना, वर-वधू को एक निर्धारित मात्रा में घरेलू जरूरत का सामान उपलब्ध करवा देना, क्या यही सामूहिक विवाह का उद्देश्य है? सामूहिक विवाह अपने आप में एक ऐसी आदर्श परम्परा है जिसके बहुत ही गहन व महत्वपूर्ण उद्देश्य व मायने होते है। सामूहिक विवाह का प्रथम उद्देश्य समाज में व्याप्त दहेज प्रथा व फालतू खर्च को रोकना व समाज के हर वर्ग को एक साथ लेकर चलना है। सामूहिक विवाह एक सामाजिक उत्सव के रूप में आयोजित करना तथा सामूहिक विवाह के बंध में बंधने वाले हर परिवार व व्यक्ति को फालतू खर्च व दहेज प्रथा आदि अनेकानेक रूढ़िवादी विचारधाराओं से मुक्त करने हेतु प्रेरित करना है। समाज में सामूहिक विवाहों का आयोजन समाज बंधुओं तथा भामाशाहों द्वारा भी किया जा रहा हैं, परंतु समाज सामूहिक विवाह के उद्देश्यों से विमुख होकर आज भी सामूहिक विवाह के बाद बड़े-बड़े भोजन का आयोजन कर रहे है।

यहां तक सामूहिक विवाह का आयोजन करने वाली संस्थान के अध्यक्ष व पदाधिकारी स्वयं अपने पुत्र-पुत्री के विवाह का आयोजन बड़ी होटलों में करते है बढ़-चढ़कर खर्चा करते है। यहां तक की समाज के लोगों के लिए अलग से महाभोज का आयोजन कर शान से गिफ्ट व लिफाफें लेते है वे स्वयं ऐसे आयोजनों में अपने परिवार के सदस्यों का विवाह नहीं करते है। सामूहिक विवाह के उद्देश्यों से विमुख होकर आज भी अनेकों लोग सामूहिक विवाह के बाद बड़े-बड़े आयोजन कर रहे है। साथ ही विवाह के नाम पर दहेज व अन्य खर्चे भी भरपूर मात्रा में कर रहे है। क्या यह सब सामूहिक विवाह के नाम पर एक मण्डप व एक आयोजन में विवाह सूत्र में बंधने वाले परिवारों में मात्र एक दिखावा बन कर रह गया है।

सामूहिक विवाह करने वाले बंधु व आयोजक यह निश्चित करे कि सामूहिक विवाह में भाग लेने वाला हर परिवार चाहे वो गरीब हो या अमीर उसे सामूहिक विवाह के आयोजन व उद्देश्यों का पालन पूर्ण निष्ठा व ईमानदारी से करना होगा। यदि कोई व्यक्ति ऐसा नहीं कर पाता है तो फिर सामूहिक विवाह के कोई मायने नहीं रह जाते। साथ ही आयोजक संस्थाओं को यह भी सुनिश्चित करना पड़ेगा कि सामूहिक विवाह में भाग लेने वाले किसी भी परिवार के बीच विवाह के पश्चात किसी भी प्रकार का मनमुटाव या कोई भ्रांति पैदा हो जावें तो संस्था व समाज के बंधु उन परिवारों की वास्तविक परिस्थितियों का अवलोकन कर सामाजिक स्तर पर दोनों के बीच सुलह के प्रयास करें। एक दूसरे के बीच उत्पन्न भ्रांतियों को दूर करन अपने सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करें।

यह माली सैनी समाज के हित में होगा और समाज में व्याप्त दहेज प्रथा व फालतू खर्च जैसी परम्पराओं पर अंकुश लगाकर समाज को एक नई दिशा विकास की ओर अग्रसर करने का एक सफल प्रयास होगा।

अमरपुरा स्थित संत शिरामणी श्री लिखमीदास जी महाराज के भव्य स्मारक का निर्माण कार्य शुभारंभ

संस्थान की आम सभा दिनांक 13 मई, 2012 को

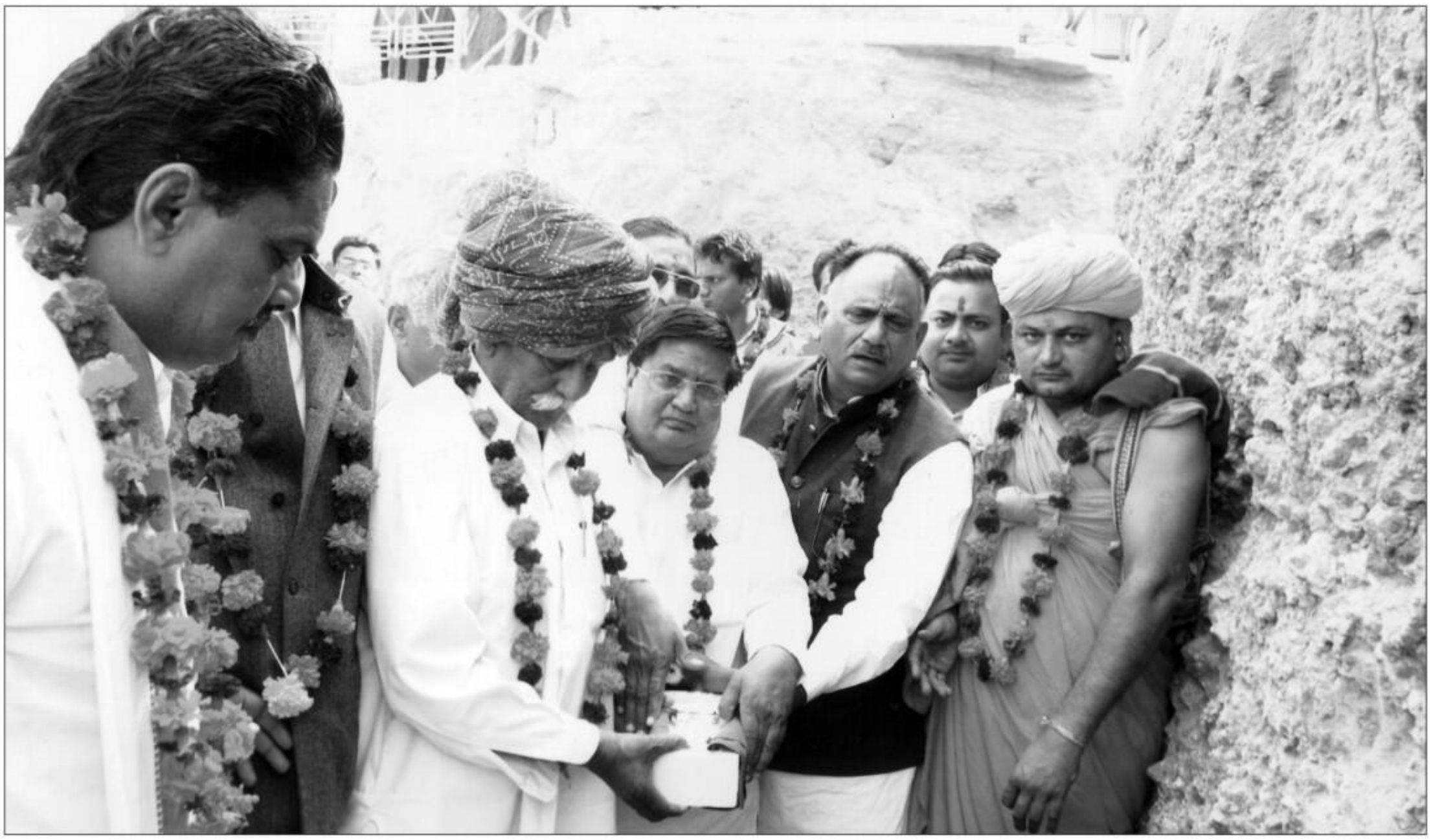

नागोर। 11 फरवरी, 2012 संत शिरोमणी श्री लिखमीदासजी महाराज स्मारक विकास संस्थान अमरपुरा के भव्य समाधि स्थल पर आज नीवं के मूहूर्त के साथ ही निर्माण कार्य संत शिरोमणी श्री संतोषनाथ जी महाराज के मुख्य आतिथ्य में शुभारंभ हुआ। संस्थान के अध्यक्ष श्री राजेन्द्र गहलोत ने बताया कि आज से शुरू हुए इस भव्य स्मारक के निर्माण कार्य में विभिन्न जिलों एवं प्रदेशों से आऐं सैकड़ों समाज बंधुओं ने अनोखी परम्परा की शुरूआत करते हुए आज कार सेवा(श्रमदान) किया जो दर्शाता है कि संत शिरोमणी के प्रति समाज के विभिन्न वर्गो में इतनी आस्था है तथा समाज के सभी वर्ग अतिशीघ्र इस भव्य ईमारत का निर्माण पूरा होने को आतुर है।

श्री राजेन्द्र गहलोत ने बताया कि आज के कार्यक्रम में दानदाताओं के साथ ही संस्थान के पदाधिकारीगण एवं समाज के अनेकों जनप्रतिनिधी उपस्थित थे। नीवं का मुहर्त दानदाता श्री रामवल्लभ भाटी, श्री गंगाराम परिहार संस्थान अध्यक्ष श्री राजेन्द्र गहलोत व अन्य पदाध्किारियों की उपस्थिति में हुआ।

इस अवसर पर दानदाओं का सम्मान संस्थान के पदाधिकारियों के द्वारा किया गया। अध्यक्ष श्री राजेन्द्र गहलोत के अनुसार भव्य स्माधि स्थल, मंदिर निर्माण के अलावा श्रद्धालुओं के लिए धर्मशाला, भव्य परिसर में हरा भरा बगीचा, पेड़ पौधें और साथ ही समाज के संतों के प्रवचनों हेतु भव्य हॉल का निर्माण भी करवाया जा रहा है। भवन की नींव करीब 14 फीट खोदी गई है। इसमें बैसमेंट का निर्माण भी किया जा रहा है। इस परिसर में समाज की विभिन्न गौत्रों की देवी देवताओं की शाल (गैलेरी) भी बनाई जायेगी। जहां विभिन्न गौत्रों की देवी देवताओं की मूर्तियों प्रतिष्ठित की जायेगी जिससे आने वाले श्रद्धालु सभी देवी देवताओं का एक ही स्थान पर दर्शन का लाभ ले सकें। यह स्थल हम सबके लिए ईश्वर के प्रति अनुपम आस्था का केन्द्र होगा। यह भवन जितना भव्य एवं विशाल होगा उतना ही भगवान और भक्तों व संतों के प्रति हमारी श्रद्धा बढ़ेगी।

इस अवसर पर समाज की विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारीगण उपस्थित थे जिनमें प्रमुख श्री मांगीलाल पंवार अध्यक्ष महात्मा फूले संस्थान, जयपुर, नागौर माली समाज अध्यक्ष श्री कृपाराम देवड़ा, संस्थान के कोषाध्यक्ष श्री बहादूर सिंह भाटी तथा साथ ही दानदाताओं में प्रमुख श्री गंगाराम परिहार, श्री रामवल्लभ भाटी, श्री गणपत परिहार, श्री बंशलाल भाटी, श्री महेन्द्र परिहार सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे। संस्थान अध्यक्ष ने इस अवसर पर पधारें सभी दानदाताओं, पदाधिकारियों, समाजबंधुओं का आभार प्रकट करते हुए निर्माण कार्य में तन – मन –धन से सहयोग की अपील की तथा साथ ही संस्थान अध्यक्ष ने भव्य स्मारक के निर्माण हेतु समाज के सभी वर्गो से अपने बहुमूल्य सुझावों का भी आमंत्रित किया जिससे इस भव्य स्मारक में अधिक से अधिक सुविधाओं के साथ ही स्मारक की भव्यता को चार चांद लग सकें तथा माली समाज ही नहीं वरन सभी समाज के वर्ग इस भव्य स्मारक में पधार कर भक्त शिरोमणी श्री लिखमीदास जी महाराज की अराधना कर अपने जीवन को सफल बना सकें।

बाबारामदेव होटल में मुख्यमंत्री को दिया विभिन्न मांगों युक्त ज्ञापन

सिरोही में श्री अशोक गहलोत व श्री रघुभाई देवड़ा चर्चा करते हुए

सिरोही में बाबारामदेव होटल में श्री अशोक गहलोत का भव्य स्वागत

सिरोही। राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत एवं पीसीसी के अध्यक्ष डॉ. चन्द्रभान ने फैगशिफ्प योजनाओं की क्रियान्विति के तहत दूसरे दिन यानि 23 फरवरी को अपने व्यस्त यात्रा के दौरान कुछ समय के लिए सिरोही की एक मात्र अत्याधुनिक वातानुकूलित सुविधायुक्त बाबा रामदेव होटल में क्षण के कुछ समय बिताए और कुछ समय आराम भी किया तथा होटल के मालिक रघुभाई एवं प्रबंधक प्रकाश बी माली से होटल की विस्तार से जानकारी ली तथा मुख्यमंत्री ने होटल के पार्क में प्राकृतिक दृश्यों एवं पेड़ पौधों को निहारते हुए मालिक रघुभाई के पर्यावरण प्रेमी बताया। उन्होंने यह भी कहा कि मैं एक पर्यावरण प्रेमी हूँ इसलिए राजस्थान में हरित राजस्थान बनाने का सपना देख रहा हूँ। इस दौरान श्री रघुभई माली ने मुख्यमंत्री व प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डा. चन्द्रभान को ज्ञापन सौंप कर जिले की कई आधारभूत समस्याओं से रूबरू कराते हुए इन समस्रूाओं के निस्तारण की बात कहीं। उन्होंने जिले में ए तरफ किसानों को पाले से हुए फसली नुकसान का मुआवजा दिलाने मांग रखी तथा कृषि क्षेत्र नीलगायों व सुआरों के आतंक से त्रस्त है। ज्ञापन में मांग की गई कि किसानों को राहत दिलाने के लिए न केवल कृषि विभाग को सख्त निर्देश दिए जाए बल्कि नीलगायों व सुअरों के आतंक से मुक्ति के लिए झटका मशीनों पर सब्सिडीीी जारी की जाए।

माली समाज वेलफेयर सोसायटी की तरफ से जारी ज्ञान में जिला मुख्यालय पर चिकितसालय की दयनीय स्थिति से अवगत कराते हुए बताया कि बाहरी घाटे को एक्सीडेन्टल जोन घोषित किया जा चुका है और प्रतिमाह दर्जनों सड़क दुर्घटनाएं होती है तथा यहां डॉक्टरों की कमी एवं नवनिर्मित टॉमासेंटर के बन्द होने से पीड़ितों को जिले से बाहर रेफर किया जाता है। इसलिए ज्ञापन में यह मांग रखी गई कि डॉक्टर की कमी को दूर किया जाकर नवनिर्मित टॉमो सेन्टर का विधिवत रूप से लोकार्पण किया जाए जिससे घायलों व पीडितों का प्राथमिकता के आधार पर इलाज किया जा सके।

मुख्यमंत्री अशोक जी गहलोत ने माली दर्शन पुस्तिका का अवलोकन कर भूरी-भूरी प्रशंसा की तथा सम्पादक धनराज माली से वार्ता कर सामाजिक दायित्वों, ज्ञानप्रद व संचार की आधुनिकी के बारे में और अधिक प्रसार-प्रचार इस पुस्तिका के माध्यम से करने की बात कहीं। इस दौरान मुख्यमंत्री के साथ इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग की राज्यमंत्री एवं सिरोही जिले की प्रभारी मंत्री मंजू मेघवाल, जिला प्रमुख चंदन सिंह देवड़ा, कांग्रेस महासचिव प्रदेश नीरज डांगी, उप मुख्य सचेतक रतन देवासी, जालोर के पुखराज पारासर, पूर्व जिला प्रमुख अन्नाराम बोराणा विधायक गंगाबेन गरासिया, जिला बीसुका उपाध्या राजेन्द्र सांखला, हरीश परिहार, यूटीआई चेयरमैन हरीश चौधरी, जिला परिषद सदस्य पुखराज गहलोत, भूपत देसाई, माली दर्शन के संपादक धनराज माली, प्रकाश बी. माली, मगनलाल माली, चिराग व अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

सिरोही में बाबारामदेव होटल में माली दर्शन का विमो
श्री अशोक गहलोत व श्री रघुभाई देवड़ा

माली समाज अहमदाबाद द्वारा सामूहिक विवाह महोत्सव संपन्न

अहमदाबाद। माली समाज सामूहिक विवाह समिति अहमदाबाद द्वारा आयोजित सप्तम सामूहिक विवाह समारोह हर्षोल्लास एवं भव्य रूप से सम्पन्न हुआ। माली शिक्षा प्रचार समिति के सहयोग एवं माली समाज सामूहिक विवाह समिति के द्वारा माली समाज की वाडी में आयोजित इस सामूहिक विवाह समारोह में सौ. कां. प्रमीलाकुमारी सुपुत्री श्री प्रकाश्या जी ढलजी पढियार शिवगंज संग चि. राकेशकुमार सुपुत्र श्री चमनलालजी देवाजी पंवार अहमदाबाद, सौ.कां. ज्योतिकुमारी सुपुत्री लक्ष्मणभाई रामदुलार माली अहमदाबाद संग चि. सुनील कुमार सुपुत्र श्री शंकरभाई गुलाबजी देवड़ा अहमदाबाद, सौ. कां. अलकाकुमार सुपुत्री श्री लक्ष्मणजी वेलाजी आंक अहमदाबाद संग चि. हिमांशुकुमार सुपुत्र पुखराजजी सोहनलाल जी परिहार सूरत, सौ. कां. नर्मदाकुमारी सुपुत्र नारायणजी मुलाजी सुदेंशा अहमदाबाद संग चि. नरेन्द्रकुमार श्री जवानमल सोनाजी गहलोत अहमदाबाद, सौ. कां. मोहिनीकुमारी सुपुत्री श्री पारसमल तेजाजी देवड़ा अहमदाबाद संग चित्र जितेन्द्र कुमार सुपुत्र श्री जेठारामजी चुनाजी मं. परिहार भुती, सौ. कां. गोदावरी कुमारी सुपुत्री श्री पारसमलजी तेजाजी देवड़ा अहमदाबाद संग चि. दिपाराम सुपुत्र श्री शंकरजी मोतीजी सोलंकी एवं सौ. कां. जमुनाकुमारी सुपुत्री श्री लालाजी भीमाजी गहलोत अहमदाबाद संग चित्र. शांतिलाल सुपुत्र नेनमल ताराजी परमार बरलूट सिरोही सहित आठ नवदम्पतियों ने अपने जीवन की शुरूआत की।

समारोह में सिरोही, शिवगंज, मुंबई, सूरत, अहमदाबाद सहित कई जगह से माली समाज संस्थाओं के प्रमुखों व समाजसेवियों ने अपनी उपस्थिति देकर न केवल समारोह की शोभा बढाई बल्कि नवदंपतियों को आशीर्वाद दिया। श्री श्री 1008 महंत श्री शिवरामदासजी महाराज सरयु मंदिर अहमदाबाद के पावन सानिध्य एवं श्री अनिलभई विधायक दियोदर, श्री कन्हैयालालजी गहलोत शिवगंज एवं श्री कालूराम सांखला अध्यक्ष कमाण्डो शिवसेना जैतारण सहित कई समाजसेवियों ने इस समारोह की शोभा बढाई।

सामूहिक विवाह महोत्सव का लाइव टेलीकास्ट, फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी की व्यवस्था माली शिक्षा प्रचार समिति अहमदाबाद के पूर्व अध्यक्ष स्व. श्री छोगाजी वक्ताजी गहलोत के सुपुत्रों ने की। सामूहिक विवाह महोत्सव की पत्रिका के मुद्रण की व्यवस्थ श्री भरतकुमार एवं पंकजकुमार गहलोत सुपुत्र स्व. श्री मांगीलाल जी रूपाजी गहलोत निवासी धाणेराव हाल अहमदाबाद कीं समारोह में भोजन प्रसादी का जिम्मा श्री रूपाजी कानाजी गहलोत निवासी भूती, श्री उमाजी कानाजी गहलोत एवं सपरिवार निवासी भूती हाल अहमदाबाद ने उठाया। समारोह को सफल बनाने में माली शिक्षा प्रचार समिति अहमदाबाद, राजस्थान माली युवा संगठन अहमदाबाद, माली जन सेवा ट्रस्ट अहमदाबाद, श्री रामजी मंदिर चमनपुरा अहमदाबाद, माली समाज साबरमती अहमदाबाद, वीर हनुमान सेवा समिति ट्रस्ट (सेवादल) अहमदाबाद व राजस्थान माली युवा संगठन अहमदाबाद का सहयोग अनुकरणीय रहा।

भरतपुर में आयोजित सामूहिक विवाह में 23 जोड़ों ने थामा हाथ

भरतपुर, 23 फरवरी। राष्ट्रीय महात्मा फूले समता परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीपाल सैनी ने कहा है कि सामूहिक विवाह समारोह के आयोजन से जहां कमजोर व्यक्ति को आर्थिक लाभ मिलता है वहीं दहेज प्रथा एवं बाल विवाह जैसी कुरीतियों पर भी अंकुश लगता है।

राष्ट्रीय महात्मा फूले समता परिषद के अध्यक्ष श्रीपाल सैनी गुरुवार को भरतपुर में कम्पनी बाग प्रांगण में महात्मा ज्योतिबा फूले माली समाज उत्थान समिति द्वारा आयोजित आठवें सामूहिक विवाह समारोह में मुख्य अतिथि के रुप में सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंनें मेहनत एवं लगन से सामूहिक विवाह समारोह के सफल आयोजन पर आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि हम समाज के लिये कितने भी भले कार्य करें वे कम है। उन्होंने सभी समाज के लोगों का आव्हान किया कि वे बेटों के साथ-साथ बेटियों को भी उच्च शिक्षा दिलायें ताकि वे भी समाज में अपना उच्च स्थान बना सकें।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए पूर्व पार्षद एवं समता परिषद के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष श्री अमरसिंह सैनी ने महात्मा ज्योतिबा फूले माली समाज उत्थान समिति द्वारा आयोजित सामूहिक विवाह समारोह के आयोजन पर बधाई देते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से जहां फिजूलखर्ची पर रोक लगती है वहीं आर्थिक रुप से भी मदद मिलती है।

इस अवसर पर कामां के पीठाधीश्वर हरि चैतन्यपुरी महाराज ने सभी वर वधुओं को आशीर्वाद एवं हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सामूहिक विवाह समारोह विसंगति एवं विकृतियों को दूर करते है। उन्होंने कहा कि सामूहिक विवाह समारोह के आअयोजनों से बाल विवाह एव दहेज प्रथा जैसी कुरीतियां अपना सिर नहीं उठा पाती हैं। समारोह में जिला प्रमुख श्रीमती लीलावती, भरतपुर के विधायक श्री विजय बंसल, जिला पार्षद श्रीमती मीनूसिंह, नगरपरिषद सभापति सुश्री सुमन कोली ने भी सम्बोधित कर सभी वर वधुओं को शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर जयपुर से आये श्री बु)सिंह सैनी ने सर्वप्रथम महात्मा ज्योतिबा फूले एवं सावित्रीबाई फूले अमर रहे के गगनभेदी नारे से पाण्डाल को गुंजायमान कर दिया। उन्होंने कहा कि सामूहिक विवाह समारोहों से समाज में जागृति आई है और इसमें और भी जागरुकता की आवश्यकता है। उन्होंने समाज के हर व्यक्ति से संकल्प लेने को कहा कि वे अपने बेटों व बेटियों की शादी सामूहिक विवाह समारोह में ही करायेंगे। उन्होंने समाज द्वारा आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में सभी के सहयोग का आव्हान किया।

समारोह में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य श्री गोपाल पहाड़िया ने कहा कि ऐसे आयोजनों पर समाज के सभी लोगों के तालमेल एवं सहयोग की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि समाज में बुजुर्गो ने जो परम्परा बनाई है वह आज भी कायम है। उन्होंने इस अवसर पर सभी वर वधुओं को उनके सुखद एवं सुन्दर जीवन के लिये शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर नगर के नगरपालिका अध्यक्ष श्री रमनलाल सैनी, यादराम सैनी, नत्थीलाल सैनी, प्रहलाद सैनी, टीकमसिंह सैनी, पदमसिंह एडवोकेट, श्री चन्द सैनी, श्रीमती जी आर चौधरी, पदमसिंह, रामभजन सैनी, बृजेश कुमार सैनी, रामबाबू सैनी, लक्ष्मणसिंह सैनी, खुशीराम सैनी, डा. मुकेश सैनी, राधेश्याम सैनी, अतरसिंह सैनी, मदनलाल सैनी, भागचंद सैनी एवं रामरुप सैनी उपस्थित थे। अन्त में समिति के अध्यक्ष श्री रामगोपाल एडवोकेट ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। संचालन पूर्व व्याख्याता श्री किशनसिंह सैनी एवं लक्ष्मणसिंह सैनी ने किया।

इससे पूर्व सभी 23 दूल्हों की निकासी सजी हुई ट्रैक्टर ट्राली में बैण्ड बाजों के साथ नेहरु पार्क से प्रारंभ हुई जो मुख्य बाजारों से होती हुई समारोह स्थल कम्पनी बाग पहुंची जहां वधु पक्ष की महिलाओं ने वर की आरती उतारी एवं गणेश पूजन तथा अन्य कार्यक्रम हुए। इसके बाद सभी वर वधुओं का अलग-अलग मण्डपों में पुरोहितों द्वारा पाणिग्रहण संस्कार सम्पन्न कराया और सांय आशीर्वाद समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में प्रत्येक वधू को एक सोने का मंगलसूत्र, चांदी की कोंधनी, तोड़िया, बिछुए, अंगूठी, कलर टीवी, लोहे का बड़ा बक्शा, चौकी, श्रृंगारदानी, वर वधू के कपड़े एवं अन्य घरेलू सामग्री दी गई। इस अवसर पर मौके पर ही विवाह पंजीयन प्रमाण पत्र जारी किये गये और गत् वर्ष की एफडीआर भी वितरित की गई।

वैभव गहलोत आरसीए कार्यकारिणी में विशेष आमंत्रित सदस्य

जोधपुर में आईपीएल और अंतर्राष्ट्रीय मैचों के आयोजन की उम्मीद जगी

जयपुर। राजस्थान क्रिकेट संघ ने राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य वैभव गहलोत को आरसीए कार्यकारिणी का विशेष आमंत्रित सदस्य मनोनीत किया हैं। वैभव के आरसीए से जुड़ाव के साथ ही अब जोधपुर में भी इंडियन प्रीमियर लीग आईपीएल सहित अंतर्राष्ट्रीय मैचों के आयोजन की उम्मीद जगी हैं।

आरसीए के विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में वैभव गहलोत का कार्यकाल आरसीए की वर्तमान कार्यकारिणी के कार्यकाल तक रहेगा। वैभव इससे पूर्व भी क्रिकेट से जुड़े रहे हैं वे पूर्व में जयपुर में भारत और न्यूजीलैण्ड के मध्य एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच और आईपीएल मैचों आयोजन समिति के सदस्य भी रह चुके हैं। जोधपुर के बरकतुल्ला खां स्टेडियम को यूं तो अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट केन्द्र का दर्जा एक दशक पूर्व है मिल गया जब 2000 में भारत और जिम्बाव्वे तथा 2002 में भारत और वेस्ट इंडीज के मध्य वनडे मैच का आयोजन हुआ। लेकिन इसके बाद राजस्थान क्रिकेट संघ में जोधपुर का प्रीावी प्रतिनिधित्व नहीं होने के ककारण यह केन्द्र उपेक्षित ही रहा हैं। लेकिन अब वैभव गहलोत जैसी मजबूत शख्सियत के आरसीए में जुड़ाव के बाद जोधपुर के क्रिकेट प्रेमियों की उम्मीदें जगी हैं।

जोधपुर होली पर पारम्परिक राव के मेलें में उमड़ा समूचा समाज

जोधपुर। मण्डोर क्षेत्र में धुलण्डी पर गुरूवार को धुमधाम से राव की सवारी निकाली गई। सवारी में हजारों लोगों का हुजूम उमड़ा। सवारी को लेकर मण्डोर क्षेत्र के माली समाज व अन्य समाजों के लोगों में अपार उत्साह देखा गया। सुबह 11 बजे से ही युवक सवारी के लिए एकत्रित होना शुरू हो गये जिनकी संख्या दोपहर तक हजारों में तब्दील हो गई। मायली मण्डावता बेरा से शुरू हुई गेर तीन साढे तीन बजे खोखरिया बेरा पहुंची। यहां से मण्डावता बेरा खोखरिया बेरा एवं पदाला बेरा की तीन अलग अलग गेर शामिल होकर भवाला बेरा, भिंयाला बेरा, गोपी बेरा, फूलबाग नदी से भाया कॉलोनी होते हुए फतेहबाग गोया पहुंची। वहां संतोकजी गहलोत के बेरे में खोखरिया बेरे के युवक कुलदीप गहलोत को राव बनाने की रस्म पूरी हुई।

परम्परा के अनुसार खोखरिया बेरा के विवाहित युवक को ही राव बनाया जाता है। जिसके नृत्य में पारंगत होना जरूरी है। हामली बेरा के संतोकसिंह गहलोत व हेमसिंह गहलोत ही बारी बारी से खोखरिया बेरा के युवक को राव चुनते है।

इस बार संतोकसिंह ने कुलदीप गहलोत को राव चुना। यहां से जेडीए अध्यक्ष राजेन्द्र सोलंकी व पार्षद मयंक देवड़ा भी सवारी में शरीक हुए।

इसके बाद राव कुलदीप गहलोत के नेतृत्व में अलग अलग बेरों की करीब पन्द्रह गेर शामिल होकर मण्डोर गार्डन पहुंची। सवारी के जनाना गार्डन पहुंचते ही लोगों में उत्साह दुगुना हो गया, यहां बने कुण्ड में सबसे पहले राव उतरे, उसके बाद कुण्ड में बारी बारी युवकों ने उतर कर डोली से होली खेली। राव की सवारी का जेडीए अध्यक्ष राजेन्द्रसिंह सोलंकी, पार्षद मयंक देवड़ा, गोपीकिशन पंवार, स्वतंत्रता सेनानी अक्षयसिंह कच्छवाह, गेनसिंह गहलोत, हेमसिंह गहलोत, जगदीश गहलोत, सायरसिंह गहलोत, जगदीश पंवार, हरीसिंह गहलोत, लतेश भाटी, महेश गहलोत, रामेश्वर गहलोत, लक्ष्मणसिंह, ओमप्रकाश, अशोक कुमार, अनिल कुमार वीरेन्द्र सहित बड़ी संख्या में लोगों ने मण्डोर चौराहे पर स्वागत किया।

सुन्दरकाण्ड संकीर्तन पुस्तक का विमोचन

सिरोही। समृद्वि केडिट को- ऑपरेटिव सोसायटी एवं माली दर्शन मासिक पत्रिका के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को सांय वीर भगवान भाटकडाजी मंदिर परिसर में सुन्दरकाण्ड पाठ का आयोजन किया गया। इस पाठ में भक्ति की गंगा देर रात तक बही। श्रद्वालुओ ने भी बढ चढकर भाग लिया। भजन कलाकार एडवोकेट प्रकाश मुम्बोई ने एक से बढ कर एक प्रस्तुति देकर श्रद्वालुओं का मन मोहां।

तत्पश्चात् ब्रदीदासजी महाराज के सानिध्य में सुन्दरकाण्ड संकीर्तन पुस्तक का विमोचन किया गया। इस अवसर मुख्य अतिथिगण यथा प्रो. हंसराज जोशी टोरण्टो कनाडा, पूर्व प्रधान तारांराम माली, आशुतोष पटनी, ओटाराम माली, पूर्व प्रधानाध्यापक मोहनलाल माली, माली दर्शन पुस्तिका के प्रधान सम्पादक धनराज माली, समृद्विकेडिट को- ऑपरेटिव सोसायटी लि. के अध्यक्ष प्रकाश बी माली, पुखराज गहलोत, एडवोकेट प्रकाश माली मुम्बोई ,छोगाराम माली, रमेश माली एवं स्वामीनारायण संस्था के पदाधिकारी हीरा भाई माली के आतिथ्य में विमोचन हुआ।

इस अवसर पर प्रो. हंसराज कहा कि '' जो सत् बार पाठ पर कोई, छुटही बन्दी महा सुख होई। अर्थात राम का नाम संकीर्तन कालिकाल में मानव जीवन को सफल बनाने के लिए सुन्दरकाण्ड पाठ का श्रवण, वाचन एवं गायन करना चाहिए। जो व्यक्ति सात वार जैसे सातों दिन सुन्दरकाण्ड या हनुमान चालीसा करता है उसके निश्चित की सारे बन्धन कट जाते हैं यह उदाहरण सुन्दरकाण्ड संकीर्तन के विमोचन पर यह बात कहीं।

इस कार्यक्रम की समिति के सरंक्षक किशन मनुज ने समिति के बारे में विस्तार से विचार एवं जानकारी दी। संगीतमय सुन्दरकाण्ड पाठ में प्रमुख गायन रामचन्द त्रिपाठी, पुखराज रावल, बाबूलाल कुम्हार, दिनेश माली, किशोर पुरोहित, संदीप व्यास, कार्तिक शर्मा, महेन्द्र शर्मा, चम्पालाल गहलोत, अशोक शर्मा, पुरूषोदास वैष्णव संहित सैकडो श्रद्वालुओं ने इस पाठ का लाभ उठाया।

10दिवसीय खेल प्रतियोगिताओं का शुभारंभ

चुरू में आयोजित खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ करते अतिथि

चुरू। महात्मा जयेतिबा फुले शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में अध्ययनरत बी.एड. व एस.टी.सी. कोर्स की छात्राओं की अन्तरकक्षीय खेलकूद प्रतियोगिताओं का शुभारंभ आज दिनांक 13/02/2012 को संस्था के खेल मैदान, ग्राम-हाडोता में प्रारम्भ किया गया। प्रतियोगिता का शुभारम्भ महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. किरण शर्मा व निदेशक श्री विवेकानन्द ने किया।

शारीरिक शिक्षक- श्री महादेव प्रसाद सेनी ने बताया कि ये प्रतियोगिता 10 दिवस तक आयोजित की जाएगी। जिनमें बालीबाल, खो-खो, बैडमिन्टन, क्रिकेट, लम्बीकूद, ऊँचीकूद, गोलाफेक, कब्बड्डी आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा।

प्रतियोगिता का उद्घाटन मैच दौड़ प्रतियोगिता के साथ प्रारम्भ किया, जिसमें बी.एड. की छात्रा उगन्ता व एस.टी.सी. की छात्रा प्रियंका लाम्बा विजेता रही। इस उपलक्ष्य में महाविद्यालय के प्रवक्तागणों ने अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया।

माली समाज वेलफेयर सोसायटी, सिरोही द्वारा

61 जनों की आँखों का ऑपरेशन एवं 653 मरीजों की नि:शुल्क जांच

सिरोही में आयोजित नि:शुल्क चिकित्सा शिविर में उमड़े मरीज

सिरोही में आयोजित नि:शुल्क चिकित्सा शिविर में उपस्थित समाज बंधुगण

सिरोही। जिला मुख्यालय से 35 कि.मी. स्थित ग्राम सवली में 61 जनों का आँखों का सफल ऑपरेशन के लिए चयन कर उन्हें एक नई जिन्दगी दी तथा 653 जनों का नि:शुल्क आँखों का चैकअप किया गया। यह सब संभव हुआ माली समाज वेलफेयर सोसायटी सिरोही के अध्यक्ष रघुभाई, ग्लोबल हॉस्पीटल की मार्गदर्शिका अरूणा बेन एवं भामाशाह श्री भगाराम माली एवं शिवलाल माली द्वारा अपने स्वर्गीय माता श्रीमती प्रेमीबाई एवं स्व. पिता श्री पदमाजी गहलोत की स्मृति में इनके अथक प्रयासों से एक दिवसीय विशाल नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा एवं ऑपरेशन शिविर का आयोजन किया गया।

इस शिविर में मुख्य अतिथि श्रीराम मीणा, जिला कलेक्टर सिरोही, समारोह अध्यक्ष श्री ओटाराम देवासी विधायक सिरोही-शिवगंज, विशिष्ठ अतिथि डॉ. संजीव टांक (मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, सिरोही), सम्मानीय अतिथिगण श्री रघुनाथ पी. माली (अध्यक्ष माली वेलफेयर सोसायटी सिरोही), श्री अचलाराम गहलोत (प्रधान शिवगंज), श्री ताराराम माली (पूर्व प्रधान), श्री कान्तिलाल माली (पूर्वाध्यक्ष माली वेलफेयर सोसायटी), श्री भूबाराम माली (अध्यक्ष माली सेवा संस्थान), श्री पुखराज गहलोत (सदस्य जिला परिषद, सिरोही) के आधित्य में समारोह का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम से पूर्व आयोजकों के परिवार की ओर से उपस्थित अतिथिगणों का स्वागत सत्कार के साथ स्मृति भेंट दी गई।

शिविर में बतौर मुख्य अतिथि जिला कलेक्टर श्रीराम मीणा ने शिविर में उपस्थिति नागरिकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि ऐसे नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा कैम्प का आयोजन कर भामाशाह ने अपने स्वर्गीय माता-पिता के प्रति भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की हैं। इस दुनिया में धनवान होने के बाद भी जो व्यक्ति आमजन की ओर दृष्टि रखकर उनके दु:खों के प्रति अपनी सहानुभूति, दया एवं करूणा व्यक्त करता है, वह इंसान इस दुनिया में सबसे महान व्यक्ति होता हैं।

कार्यक्रम अध्यक्ष श्री ओटाराम देवासी विधायक ने कहा कि नि:शुल्क ऑपरेशन के द्वारा आसपास के लोगों के लिए चिकित्सा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किया हैं, जिसकी प्रशंसा करना भी मुश्किल हैं। भामाशाह ऐसे नेक कार्य कर मानवता के प्रति सजग रहकर दुनिया को यह समझाने का प्रयास करवा रहे हैं कि इस दुनिया में मानव सेवा से बढ़कर कोई धर्म नहीं हैं।

विशिष्ठ अतिथि डॉ. संजीव टांक, मु.चि. एवं स्वा. अधिकारी के नेत्र चिकित्सा केम्प के बारे में जानकारी देते हुए समाज के लोगां से निवेदन किया कि जिस तरह भामाशाह ने चिकित्सा क्षेत्र में कार्य किया हैं उसी प्रकार आप सब भी आगे आकर ऐसे ही चिकित्सा क्षेत्र में कार्य कर लोगों के जीवन को सुखी बनाने का प्रयास करे।

माली समाज वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष श्री रघुनाथ पी. माली ने शिविरार्थियों को सम्बोधित करते हुए कि इस पुनित कार्य को करके भामाशाह ने "नर सेवा नारायण सेवा के महत्व को दर्शाया है। नर की सेवा करके व्यक्ति नारायण की सेवा की प्राप्ति करता है। भामाशाह परिवार एक ऐसा ही नेक परिवार हैं जो अपने साथ-साथ दूसरों के जीवन के बारे में भी सोचते रहते हैं तथा जरूरतमंद एवं असहाय लोगों की मदद हेतु हमेशा ही तत्पर रहने के कारण ही पूर्व में भी माली समाज वेलफेयर सोसायटी सिरोही के साथ मिलकर राजकीय चिकित्सालय, सिरोही में आधुनिक एवं सुसज्जित मोर्चरी का निर्माण कार्य में सहभागिता निभाकर नर सेवा के प्रति श्रद्धा समर्पित की थी। साथ ही बेटी बचाओं अभियान पर जोर देते हुए भ्रूण हत्या पर का पुरजोर विरोध करने का आहवान करते हुए नवजात बेटी की ग्रर्भ में रक्षा करने हेतु संकल्प दिलाया।

माली समाज वेलफेयर सोसायटी के उपाध्यक्ष एवं पूर्व प्रधान ताराराम माली ने कहा कि मानव सेवा से प्रेरित होकर भामाशाह परिवार के श्री भगाराम एवं शिवलाल माली ने माली समाज वेलफेयर सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में शिविर का आयोजन किया है इसके लिए यह संसीा आपके परिवार को उन्नत एवं उज्जवल भविष्य की कामना की। जबकि माली समाज सेवा संस्था के अध्यक्ष भूबाराम माली ने बताया कि आदमी मृत्यु से पूर्व आंखे दान देनी चाहिए जिससे अंधे लोग यह सारा दुनिया देख सके। पूर्व अध्यक्ष कांतिलाल माली ने कहा कि मानव की सेवा सबसे बडत्री पुनित कार्य करने के साथ पशु-पक्षियों एवं जीव जन्तुओं के दान-पुण्य करते रहना चाहिए।

इस अवसर पर भामाशाह परिवार के श्री भगाराम एवं शिवलाल माली ने उपस्थित सभी लोगों का तहेदिल से आभार व्यक्त किया तथा शिविर में राकेश, पुनाराम, जगदीश, एम्बूलेंस के वाचन चालक माली, बाबा रामदेव होटल के सहायक प्रबंधक राजेन्द्र सिंह, हीरालाल माली इतयदि सैकड़ों की तादाद में नागरिकों ने भाग लेकर शिविर को सफल बनाया गया।

शंकर जुस सेन्टर का भव्य उद्घाटन

जोधपुर। क्षेत्र के मगरा पूंजला क्षेत्र में देवड़ा मार्केट का भव्य उद्घान संपन्न हुआ। शंकर जुस सेन्टर संचालक हीरालाल गहलोत ने बताया कि मुख्य अतिथि शिक्षा अधिकारी प्रेमचन्द सांखला, धीरेन्द्र सिंह गहलोत, विशिष्ट अतिथि जयसिंह गहलोत, जगदीश देवड़ा ने विधि विधान से शंकर जुस सेन्टर का भव्य उद्घाटन किया। इसे पहले सभी अतिथियों का माला और साफा पहनाकर स्वागत किया गया। काफी समय बाद इस क्षेत्र में पाइनेपल, मौसमी, गुलकन्द, चिकु चौकलेट पिस्ता बादाम, गंगा जमुना जुस, गुलकन्द पीस्ता बादाम, चौकलेट मौसमी, सभी प्रकार के जुस आईसक्रीम और कोल्डड्रिंक्स इत्यादि सही दाम से मिलते है। इस कार्यक्रम में रामस्वरूप गहलोत, दिनेश गहलोत, शंकर गहलोत, माधुजी प्रजापत, दौलसिंह देवड़ा, गणेश कच्छवाह दिनदयाल देवड़ा, रतनजी गहलोत, घेवर जी गहलोत, खिंवजी, आदित्य, दिलीप सिंह गहलोत, कानाराम जी गहलोत, द्वारवोक जी सरपंच, तारासिंह सोलंकी, जोगराज जी सोलंकी, भारमल जी परिहार, सेठ मेवाराम सहित क्षेत्र के अनेकों गणमान्य लोग मौजूद थे।

शेखावाटी सैनी समाज सेवा संस्थान श्री सरदारमल तंवर बने पुनः अध्यक्ष

चूरु। परिचय सम्मेलनों एवं सामूहिक विवाहों के आयोजनों के उद्देश्य से एक वर्ष पूर्व बनी शेखावटी से सीकर, चूरु एवं झुंझुनूं जिलों में सक्रिय संस्था शेखावाटी सैनी समाज सेवा संस्थान का केन्द्रीय अध्यन 22 जनवरी 2012 को सर्व सम्मति से श्री सरदारमल तंवर छापर वालों को पुनः चुना गया तथा इन्हें कार्यकारिणी गठित करने का अधिकार दिया गया।

दिनांक 5 फरवरी 2012 को श्री सरदारमल जी ने 31 सदस्यीय केन्द्रीय कार्यकारिणी की घोषणा इस प्रकार की है:-

उपाध्यक्ष- ओंकारमल बालाण-चूरु, पूर्णसिंह मिटावां-झुंझुनूं, उपाध्यक्ष सीकर-रिक्त। सचिव-भंवर लाल गोड़-चूरु, छगनलाल धूपिया-झुंझुनूं व कपिल मिटावां-सीकर। कोषाध्यक्ष-जीवणमल बबेरवाल-चूरु, सह कोषाध्यक्ष-शंकरलाल बालाण-चूरु। संगठन सचिव-आचार्य राम गोपाल सैनी- फतेहपुर, मोती लाल सैनी, से.नि. रीडर-झुंझुनूं, चानणमल राकसिया-चूरु। प्रचार प्रसार सचिव-महावीर प्रसाद खडोलिया-चुरु, रोहिताश्वकुमार-सूरजगढ़, जगेन्द्र कुमार-श्रीमाधोपुर, महावीर प्रसाद सिंगोदिया-चूरु, सीकर-रिका, झुंझुनूं-रिक्त, मीडिया प्रभारी-अशोक राकसिया-चूरु। कार्यकारिणी सदस्य- मनोज कुमार सिंगोदिया-सीकर, सीताराम सिंगोदिया-सीकर, ओमप्रकाश गौड़-लक्ष्मणगढ़, सत्यनारायण हलकारा-झुंझुनूं, रामलाल सैनी-नवलगढ़, धन्नाराम सांखला-चूरु, मदनलाल कम्मा-रतनगढ़, मालाराम कम्मा-तारानगर, विक्रमसिंह चोबदार-सुजानगढ़। सीकर से 1 सदस्य व झुंझुनूं से 2 सदस्यों के स्थान रिक्त है।

समाज में आ रहे हैं नये आर.ए.एस. ऑफिसर

1. पिलानी के श्री सुशील कुमार सैनी दूसरी बार आर.ए.एस. में सफल रहकर 14 सितम्बर 2011 को ही सी.आई. आबकारी रतनगढ़ में लगे थे। अब वे तीसरी बार आर.ए.एस. में सफल रहकर तहसीलदार ƒआर. टी. एस.„ बनने जा रहे हैं।

वे 15 जनवरी 2012 को आर.टी.एस. के 15 महीनों के प्रशिक्षण के लिए अजमेर जा रहे हैं। सुशील कुमार कम्मा के पिताजी री रामजस कम्मा सरदारशहर में रोड़वेज में एकाउण्टेण्ट हैं।

2. दीपपुरा ƒखेतड़ी„ के श्री लीलाधर सैनी आर.ए.एस. में सफल रहकर अब 'एकाउण्ट्स ऑफिसर' के पद के प्रशिक्षण पर जा रहे हैं।

3. बगड़ की सरिता सैनी राज्य बीमा विभाग में इन्श्योरेंस ऑफिसर बनने जा रही हैं।

4. कुमारी संजना सैनी मानपुरा - नीम का थाना ƒसीकर„ आर.ए. एस. स. वाणिजय कर अधिकारी के प्रशिक्षण पर है।

पूर्व सांसद ने दी मृतक के परिजनों का सहायता

डीग। पूर्व सांसद विश्वेन्द्र सिंह ने मंगलवार शाम डीग पहुंचकर दीवार हादसे का शिकार हुए मृतक राजमिस्त्री भगवान सिंह सैनी के परिजनों को ढांढ़स बंधाया तथा उसके पुत्र को एक लाख रुपए की सहायता राशि प्रदान की। इस मौके कहा कि यह एक हादसा था जिसके शिकार हुए तीनों श्रमिकों की मौत का उन्हें दुःख है। इस मामले को न्यायालय में उलझाने की बजाय दोनों पक्षो के प्रमुख पांच-पांच व्यक्तियों की कमेटी बनाकर इस परस्पर समझौते के माध्यम से सुलझाना चाहिए। इस मामले में पूरी तरह से दोनों पक्षों के साथ हैं। इस मौके पर उपखण्डाधिकारी कमरुददीन खान, थाना प्रभारी केशरसिंह आदि मौजूद थे। इसके बाद पूर्व सांसद पुरानी डीग दिगम्बर जैन मन्दिर के प्रांगण में उस प्लॉट के मालिक व जैन समाज के अन्य लोगों से भी मिले तथा उन्हें पूर्ण सुरक्षा व शांति बनाए रखने का वायदा भी किया।

श्री अध्यक्ष सैनी समाज डीग के एवं केसर देव एवं धर्मसिंह एवं सुकराम सैनी भरतपुर सम्मेलन में आये थे। श्री राधेश्याम सैनी जी ने तीत मृतकों के बारे में पूछा कि उसमें क्या हुआ रहा है उन्होंने बताया सुरेश जैन पुत्र श्री मिटठन लाल जैन द्वारा मृतकों के लिए 2.5 लाख रुपये मुआवजा देने के बारे में बताया और सामूहिक विवाह समारोह डीग में देव उठनी ग्यारस दिनांक 24.11.2012 को सम्पन्न कराया जायेगा।

आचार्य राम गोपाल सैनी बने शेखावाटी के प्रभारी अध्यक्ष

फतेहपुर शेखावाटी/राजस्थान माली (सैनी) जागृति संस्थान मुख्यालय जोधपुर के प्रदेशाध्यक्ष श्री अमराराम भाटी, संरक्षक श्री राजगहलोत तथा प्रदेश संयोजक श्री रणछोड़ सिंह गहलोत की राय से वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री बलदेव कुमार सैनी (श्रीमाधोपुर-सीकर निवासी) ने आचार्य राम गोपाल सैनी फतेहपुर को संस्थान का शेखावाटी प्रभारी (अध्यक्ष) नियुक्त किया है। आपको सीकर, चूरु, झुंझुनूं एवं बीकानेर जिलों का प्रभारी बनाया गया है। आप इन जिलों में जिलाध्यक्ष तथा अन्य पदों पर नियुक्तियाँ करने का अधिकार रहेगा।

सुभाष सिंगोदिया जिलाध्यक्ष बने

चूरू। स्थानीय मंशापूर्ण बालाजी मंदिर में सैनी युवक मंडल की जिला स्तरीय बैठक हुई जिसमें बैठक की अध्यक्षता समाजसेवी चानणमल सैनी '(राखसिया) ने की।

जिला स्तरीय बैठक में समाज में व्याप्त अंधविश्वास एवं कुरीतियों को जड़ से समाप्त करने पर बल दिया गया। समाज में छोटे-बड़े व गरीब-अमीर का भेदभाव मिटाकर समग्र समाजोत्थान के कार्यक्रमों को सुचारू संचालित किए जाने की सभी उपस्थित युवकों ने इच्छा जाहिर की। बैठक में सभी उपस्थित युवकों ने संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए संकल्प लिया। जिला स्तरीय सैनी युवक मंडल में सुभाष सिंगोदिया को सर्वसम्मति से जिलाध्यक्ष चुना गया। जिले की समस्त तहसीलों से पधारे युवाओं ने श्री सुभाष सिंगादिया को एक स्वर से अध्यक्ष चुना एवं संगठन को मजबूती पूर्वक संचालित करने की अपील की।

जिला स्तरीय सैनी युवक मंडल की इस महत्वपूर्ण बैठक में भागीरथ दईया, कृष्ण कुमार सैनी (संगम) तारानगर, देवकरण सैनी, ओमप्रकाश बागड़ी, रामलाल भभैवा, धनराज सांखला, संजय कुमार पोपड़ा, नंदलाल इंदारिया, राजकुमार इंदौरिया, विकास सैनी (तारानगर), ओमप्रकाश बागड़ी, प्रभुदयाल सिंगोदिया, सुरेन्द्र सैनी तारानगर, महेश ुमार सैनी, कृष्णकुमार कारोडिया, विनोद सिंगोदिया, प्रभु सिंगोदिया रतनगढ़, राकेश टाक, पवन तंवर, राजू टाक, बीबरल कम्मा, कैलाश सुईवाल, प्रदीप गौड़, अमरचन्द गौड़, सुरेन्द्र खडोलिया राजगढ़, हरिसिंह सुईवाल, जुगलकिशोर कारोडिया, महावीर प्रसाद तंवर सरदार शहर, भंवरलाल बीजवाडिया, महावीर कम्मा एवं ओमप्रकाश कम्मा, विनोद कुमार बिजवाडिया, गोरधन, राकेश, लक्ष्मीनारायण, रामकिशन, जयकिशन गणेश मारोडिया, अर्जुन तूनवाल, प्रदीप राखसिया आदि ने जिला स्तरीय सैनी युवक मंडल के इस विशाल कार्यक्रम में भाग लिया।

बलदेव सैनी बने प्रदेश उपाध्यक्ष

श्रीमाधोपुर (सीकर) राजस्थान माली (सैनी) जागृति संस्थान द्धमुख्यालय-जोधपुरऋ के संरक्षक श्री राज गहलोत ने प्रदेश संयोजक श्री रणछोड़सिंह गहलोत तथा प्रदेश अध्यक्ष श्री अमराराम भाटी की सलाह से श्री बलदेव कुमार सैनी निवासी श्रीमाधोपरु द्धसीकरऋ को प्रदेश उपाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया है। आपको सीकर, चूरु, झुंझुनूं एवं बीकानेर जिलों का प्रभावी प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया है।

घनश्याम दास सैनी निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित

भरतपुर 14 नवम्बर। श्री फूलमाली समाज उत्थान समिति, भरतपुर के त्रिवार्षिक चुनावों में समाज सेवी घनश्याम दास सैनी निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित हुऐ।

निर्वाचित अधिकारी प्रहलाद सिंह सैनी टी.ई.टी. के अनुसार ग्यारह सदस्यीय कार्यकारिणी के लिए अठारह उम्मीदवार थे। कुल मतदाता 285 में से 153 ने मतदान में भाग लिया। जिसमें जानकी प्रसाद, लक्ष्मण सिंह, अमरनाथ, अमर सिंह, शंकरलाल, खुशी राम, अमरचंद, कमल सिंह, भगवत सिंह, घनश्याम दास सैनी एवं प्रेमचंद सैनी निर्वाचित हुऐ।चुनाव अधिकारी के अनुसार अध्यक्ष पद हेतु एकमात्र नामांकन पत्र घनश्याम दास सैनी का प्राप्त हुआ। अन्य प्रत्याशी न होने के कारण सर्वसम्मति से घनश्याम दास सैनी को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। अध्यक्ष एवं निर्वाचित सदस्यों को निर्वाचन अधिकारी द्वारा शपथ दिलाई गई। तत्पश्चात समाज के संभ्रात लोगों में से किशन सिंह सैनी व्याख्याता, राधेश्याम सैनी, रामप्रसाद एवं नारायण सिंह आदि ने फूलमालाओं से उनका स्वागत किया।

अध्यक्ष ने अपने उदबोधन में कहा कि वे समाज के हर तरह के विकास के लिए तन और मन से समर्पित होकर कार्य करेगें और समाज की स्थाई सम्पत्ति की हर प्रकार से रक्षा करेंगे।

सैनी समाज नावां की कार्यकारिणी गठित

नागौर। शहर के सैनी समाज ने मंगलवार को समाज के अध्यक्ष मेघराम सैनी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित कर समाज की कार्यकारिणी गठित की गई। सैनी समाज के सचिव सुरेश चंद सैनी ने बताया कि आयोजित बैठक में समाज के अध्यक्ष मेघाराम सैनी द्वारा छीतरमल सैनी को सहसचिव, रामेश्वरलाल मारोठिया व रामचन्द्र सैनी को उपाध्यक्ष, तनसुख सैनी को कोषाध्यक्ष, कालूराम बड़ीवाल, गुलाबचन्द तुन्दवाल, मोहनलाल चौहान, हीरालाल मारोठिया व माणक चंद सैनी को विशिष्ट सदस्य बनाकर 11 सदस्यों की कार्यकारिणी गठित की।

बैठक में तेरह सक्रिय सदस्य व समाज के वरिष्ठ सात सदस्यों को संरक्षक नियुक्त किया गया।

माली समाज का होली स्नेह मिलन समारोह आयोजित

भामाशाह माधुसिंह गहलोत की पांच लाख इक्कावन हजार की घोषणा

शिक्षा से ही समाज का विकास सम्भव - गहलोत

भोपालगढ़। माली (सैनी) समाज एवं शिक्षण संस्थान भोपालगढ़ की ओर से सोमवार को कस्बे के श्री सैनी उच्च माध्यमिक विद्यालय प्रांगण में अन्तर्राष्ट्रीय रामस्नेही सम्प्रदाय की प्रमुख पीठ रामधाम खेड़ापा के पीठाधीश्वर महन्त आचार्य पुरूषोत्तमदास शास्त्री एवं बड़ा रामद्वारा सूरसागर के युवा सन्त रामप्रसाद रामस्नेही के सानिध्य में होली स्नेह मिलन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह तथा विद्यालय के कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों का विदाई समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री राजेन्द्र गहलोत ने कहा कि सामाजिक विकास के लिए शिक्षा एवं बालिका शिक्षा के प्रचार-प्रसार पर विशेष बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया। उन्होनें कहा कि समाज में व्याप्त बुराईयों, कुरूतियों व नशाखोरी पर लगाम लगाने की दिशा में भी जोर दिया। सामाजिक एकता को बढ़ावा देने के लिए युवाओं को आगे आने की प्रेरणा दी। युवा ही समाज की मूल कड़ी है। तभी समाज की ओर से होने वाले ऐसे आयोजनों की सार्थकता सिद्ध हो सकेगी।

समारोह के मुख्य अतिथि समाज सेवी भामाशाह जोधपुर निवासी माधूसिंह गहलोत ने पर्यावरण संरक्षण, युवाओं मोबाईल फोन की रोकथाम तथा सामाजिक कार्यो में तन मन धन से सहयोग प्रदान करने की अपील की साथ ही भामाशाह माधूसिंह जी गहलोत ने विद्यालय विकास हेतु पांच लाख इक्कावन हजार रूपये (5,51,000/-) देने की घोषणा की। समारोह को सन्त लिखमीदास ट्रस्ट अमरपुरा, नागौर के समन्वयक राधा कृष्ण तंवर उपप्रधान भोपालगढ़ पाबूराम सांखला, उपप्रधान बावड़ी कालुराम सोलंकी जोधपुर देहात जिला कांगेस के उपाध्यक्ष ऊंकारराम कच्छावाहा, आसोप सरपंच जितेन्द्रसिंह परिहार, भोपालगढ़ सरपंच धापूदेवी भाटी, बीईओ ओसियां ओमप्रकाश टाक, नायब तहसीलदार किशनराम देवड़ा, देहात कांग्रेस अभाव-अभियोग प्रकोष्ठ के जिला महासचिव बंशीलाल सैनी, रामस्वरूप देवड़ा, माली संस्थान अध्यक्ष अर्जुनराम भाटी, उपाध्यक्ष पन्नाराम देवड़ा, सचिव कालुराम सोलंकी, कोषाध्यक्ष कानाराम देवड़ा, प्रधानाचार्य किशन सिंह भाटी, जीवणराम सोलंकी, पांचाराम सोलंकी, घीसाराम देवड़ा, मण्डी अध्यक्ष बक्साराम भाटी, माली नवयुवक मण्डल अध्यक्ष हेमराज सैनी, पुखराज सोलंकी ने सम्मेलन को सम्बोधित किया। कार्यक्रम का संचालन युवा सामाजिक कार्यकर्ता हेमसिंह सोलंकी व प्रेमाराम सोलंकी ने किया।

छात्र को दी भावभिनी विदाई

संत शिरोमणी श्री पुरूषोत्तमदास जी महाराज छात्रों को संबोधित करते हुए साथ में बैठे है संत श्री रामप्रसाद जी महाराज

भोपालगढ़। श्री सैनी उच्च माध्यमिक विद्यालय के सत्र 2011-12 के कक्षा 12वीं के कला, विज्ञान वर्ग, गणित वर्ग के विद्यार्थियों का विदाई व आशीर्वाद समारोह भी आयोजित किया गया। जिसमें श्री श्री 1008 पुरूषोत्तमदास महाराज रामधाम खेड़ापा व बड़ रामदेवरा सूरसागर के अन्तर्राष्ट्रीय सन्त श्री रामप्रसाद जी के सानिध्य में प्रधानाचार्य श्री किशनसिंह भाटी नें विद्यार्थियों को भावभिनी विदाई दी। इस अवसर पर श्री पवन कुमार भाटी, प्रेमाराम सोलंकी, श्रवण कुमार भाटी पीटीई, भगवानराम सोलंकी, हरिशंकर संवारिया, अजय प्रजापत, प्रकाश बींजाणिया, परसाराम देवड़ा, हेमसिंह सोलंकी, छोटूलाल देवड़ा, विश्नाराम देवड़ा, गौतम गहलोत, सुखदेव, श्रवणराम देवड़ा, कानाराम भाटी, रवि प्रजापत, कीर्ति सोलंकी, तुलसी सोलंकी, चन्द्रप्रकाश देवड़ा, राम जीवण सोलंकी, श्यामलाल भाटी, सहित अध्यापकों ने छात्रों को आशीर्वाद प्रदान कर विदाई दी।

रिपोर्टर भोपालगढ़ से हेमसिंह सोलंकी 9928114581

सावित्री बाई फूले के पद चिन्हों
पर समाज सेवा को समर्पित

मोनिका सैनी

सरदारशहर।कहने को तो हम 21वीं शताब्दी में रहे है। महिलाओं को आगे बढ़ते देखकर भी काफी खुश होते है। अगर हम पुरूष जरा विचार करे कि हम महिलाओं को आगे बढ़ाने में कितना योगदान कर रहे है एवं हमने अपने घर से किस महिला को समाज सेवा एवं जनजागरण जैसे अभियान में खड़ा किया है तो लगभग उतर ना ही मिलेगा। मोनिका सैनी ने रक्तदान, नेत्रदान, महिला उत्थान, महिलाओं को स्वालम्बन, गरीब बच्चों को सहायता जैसे उपक्रम चलाकर चूरू जिला प्रशासन से सम्मान प्राप्त किया है। सम्मान कोई बड़ी बात नहीं है, बात बड़ी नहीं काम बड़ा होता है।मोनिका सैनी को सम्मान मिलने से यह तो निश्चित है कि हमारे आस-पास से इस क्षेत्र में कार्य करते की इच्छुक महिलाओं को बल मिलेगा।चूरू जिले में सर्वाधिक रक्तदान के मामले में सरदारशहर सबसे आगे है।रक्तदान के प्रति आज भी अनेक भ्रांतियां है और रक्तदान शिविरों में महिलाओं की संख्या ना के बराबर रहती है मगर इस मामले में भी सरदारशहर चूरू जिले में सबसे आगे है।

आपका परिचय कराने जा रहे है एक ऐसे परिवार से जिसके सभी सदस्यों ने नेत्रदान का संकल्प लिया है, जो अपने आप में एक मिसाल है। सरदारशहर का रावतमल सैनी घराना किसी परिचय का मोहताज नहीं है।इसी परिवार के सभी सदस्यों ने सामूहिक रूप से नेत्रदान करने का संकल्प लिया है।नेत्रदान इस परिवार की परम्परा बन जाएगा।

यह हम सदियों से सुनते आ रहे है कि हर कामयाबी के पीछे किसी औरत का हाथ होता है। जी हां इस पुनित कार्य के पीछे भी रावतमल सैनी घराने की महिलाओं का ही हाथ है।इस परिवार की बहु मोनिका सैनी पत्नी मुरलीधर सैनी एवं श्रीमती राधा सैनी पत्नी बाबुलाल सैनी का प्रयास रंग लाया है।

मोनिका सैनी महिलाओं के लिए आगे बढ़ने का व कभी नहीं रूकने का उदाहरण है। मोनिका सैनी ने ऐसा जीवन जीने का समर्थन किया है जो किसी ओर के लिए भी काम आए।श्रीमती मोनिका सैनी ने अब तक चार बार रक्तदान किया है एवं विवाह के समय श्रीमती सैनी की शिक्षा महज 10वीं तक थी।विवाह के 15 वर्ष बाद मोनिका सैनी ने शिक्षा ग्रहण करने की सोची और इग्नु से बीए की एवं आईएएसई युनिर्वसिटी से एमए करने के बाद एमबीए की डिग्री भी प्राप्त कर चुकी है।

अभी श्रीमती सैनी पीएचडी की उपाधी प्राप्त करने के लिए अध्ययन कर रही है। श्रीमती सैनी का महिलाओं को कहना है कि मैंने कर दिखाया कि पढ़ाई की कोई उम्र नहीं होती, अच्छे कार्य के लिए किसी की मनाही नहीं होती, हौसलों में उड़ान हो तो मुश्किल कोई ऊंचाई नहीं होती।श्रीमती राधा सैनी ने अपनी जेठानी से प्रेरित होकर दो बार रक्तदान किया है एवं भविष्य में निरंतर रक्तदान के प्रति जागरूक है। परिवार की यह दो बहुएं अब महिलाओं को जागरूक करने के लिए महिला संगठन का निर्माण कर महिलाओं को जागरूक बनाने के लिए कृत संकल्प है।मार्गदर्शन नेत्रदान एवं रक्तदान जन-जागरण अभियान के जिला संयोजक गणेशदास स्वामी ने किया।

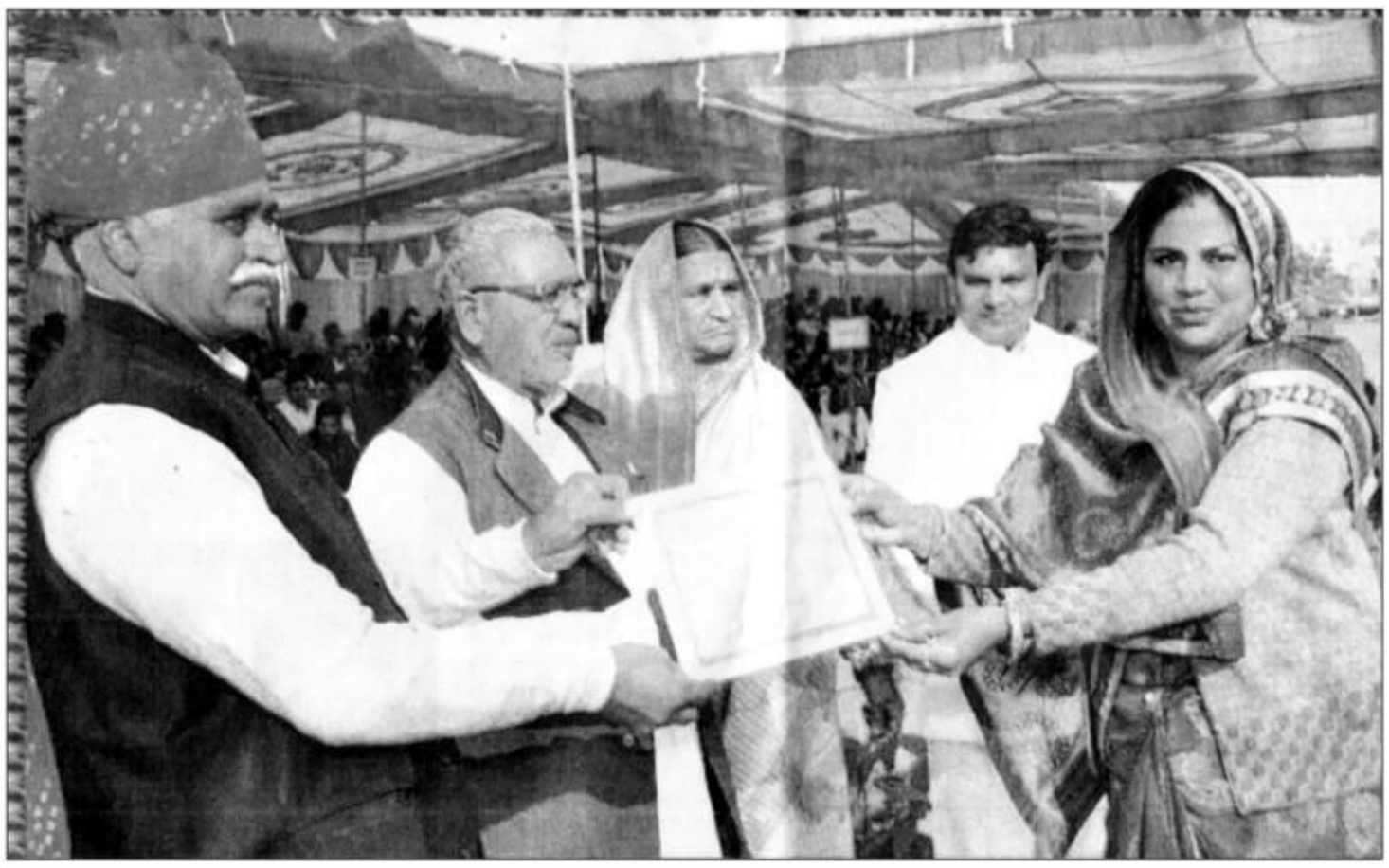

मोनिका सैनी को किया सम्मानित

सरदारशहर। दुनीचंद गेस्ट हाउस में महात्मा ज्योतिबा फूले सैनी युवा संस्थान की ओर से मंगलवार को सम्मान समारोह हुआ। कार्यक्रम में जिला प्रशासन की ओर से समाज में उत्कृष्ट कार्यो के लिए सम्मानित हुई मोनिका सैनी का अभिनंदन किया गया। सैनी को सावित्री बाई का चित्र, शॉल व श्रीफल भेंटकर सम्मान किया।कार्यक्रम में किशनलाल कच्छावा, भानीराम कम्मा, ताराचंद, नंदकिशोर, सुरेश, राधादेवी, गणेश तंवर, चिमनराम व राजूदेवी आदि मौजूद थे।संचालन मोहनलाल तंवर ने किया। इस अवसर पर नंदकिशोर राखसिया, आशाराम सैनी, गणेश तंवर ने भी मोनिका सैनी के कार्यो की प्रशंसा की।राजूदेवी चौहान ने बताया कि मोनिका सैनी अपना जन्मदिन भव्यता के साथ ना मनाकर गरीब बच्चों के साथ मनाती है।गरीब बच्चों को खुशियां बांटती है।राजलदेशर से राधेश्याम माहवर ने राजस्थान की जान के माध्यम से मोनिका सैनी के बधाई प्रेषित की है। मोनिका सैनी ने सम्मान समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि जिला प्रशासन से सम्मान मिला, जिसे प्राप्त कर लगा कि अब मेरी जिम्मेवादी मेरे कार्य के प्रति बढ़ गई है। जिला स्तर के सम्मान को पाने के बाद सैनी एवं माली समाज द्वारा मुझे स्वजातीय गणमान्य नागरिकों द्वारा जो सम्मान दिया गया है वह सम्मान मेरे लिए तभी सार्थक होगा जब मैं मेहनत से लगातार समाज सेवा के कार्यो में लगी रहुंगी एवं समाज की कसौटी पर खरा उतरूंगी।अब आप सभी ने मेरा सम्मान किया जिसके लिए आप सभी को हदय से आभारी हूं।

माली सैनी समाज में सामूहिक विवाहों की धूम

टोंक। समाज के चहुंमुखी विकास के प्रत्येक व्यक्ति के योगदान को महत्वपूर्ण बताते हुए जिला परिषद् सदस्य व बैठक की अध्यक्षता कर रहे नंदकिशोर सैनी ने कहा कि समाज के विकास के लिए सबसे महत्वपूर्ण है कि समाजबंधु कुरीतियों को त्यागकर व बच्चों को अनिवार्य शिक्षा अर्जित करवाने पर जोर दे, जिससे समाज का सर्वांगीण विकास संभव हो सके।

टोंक जिले की मालपुरा तहसील अन्तर्गत डिग्गी कल्याण में 18 दिसम्बर रविवार को माली समाज की धर्मशाला में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। जिसमें श्री कल्याण महाराज की नगरी डिग्गी द्धटोंकऋ में आगामी 30 अप्रैल जानकी नवमी सोमवार को माली समाज का सामूहिक विवाह होना तय हुआ।

इस आयोजन में दूर दराज से 62 गांवों के प्रतिनिधियों सहित लगभग 1000 पंच-पटेलों व युवाओं ने भाग लिया। इस आयोजन में डिग्गी में ही सामूहिक विवाह का आयोजन करना तय हुआ साथ ही समाज बंधुओं की एक राय से सामूहिक विवाह की तिथि 30 अप्रैल को सामूहिक विवाह करना तय हुआ। इसके अलावा पंचों की आम राय डिग्गीपुरी स्थित अखिल भारतीय माली समाज की धर्मशाला के विकास पर भी चर्चा हुई तथा सामूहिक विवाह के बाद बचत की राशि को धर्मशाला के विकास पर लगाना तय हुआ।

सभा में 5 जिलों व 14 तहसीलों के समाज बंधुओं ने भाग लिया। बैठक में निम्न समाज बंधुओं की भी उपस्थिति रही - मालपुरा अध्यक्ष घासीलाल आरेडिया, केकड़ी अध्यक्ष रामगोपाल करोडीवाल, टोडा रायसिंह अध्यक्ष बजरंग लाल भाटी, पीपलू अध्यक्ष ग्यारसी लाल आरेडिया, टोक जिला अध्यक्ष रमेश गढ़वाल, निवाई अध्यक्ष कन्हैयालाल दीया, सरवाड़ नाथूलाल गहलोत, चाकसू हीरालाल सैनी, भीलवाड़ा से फूले विचार वाटिका संपादक गोपाललाल माली, नासिरदा मोहनलाल सरपंच, मेन्दवास झोपडिया पोखरलाल सैनी, नान्देर सरपंच बजरंग लाल सैनी व इन तहसीलों व जिलों के कई गणमान्य व्यक्ति वक्ता व पंचों ने सभा की शोभा बढ़ाई।

इस होने वाले सामूहिक विवाह में अध्यक्ष हरजीलाल खरोलिया, कोषाध्यक्ष राम दयाल तुन्दवाल व मंत्री बन्नालाल खरोलिया को बनाया गया। अब आगे डिग्गी के पंच तहसील स्तर के गांवों से सदस्य चुन कर समिति अध्यक्ष रामगोपाल करोड़ीवाल ने सामूहिक विवाह को सफल बनाने की व्यवस्था को विस्तार से बताया। कई गांवों कस्बों शहरों के समाज बंधुओं ने अपने-अपने विचार रखकर आयोजन को सफल बनाया। डिग्गीपुरी के पंचों ने सभी पधारे हुए पंचों का सम्मान किया। कार्यक्रम के पश्चात एक सामूहिक भोज का भी आयोजन किया गया।

चौदहवां सामूहिक विवाह सम्मेलन फूलड़िया दूज को बड़ू में

परबतसर। छह गांव माली द्धसैनीऋ समाज का चौदहवां सामूहिक विवाह सम्मेलन फूलड़िया दूज को ग्राम बड़ू में आयोजित किया जाएगा। समिति द्वारा आयोजित सम्मेलन की रुपरेखा तैयार करने को लेकर माली समाज की बैठक ग्राम बड़ू के शिव मंदिर में समिति के अध्यक्ष ठेकेदार सेवाराम दगदी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में सफल सम्मेलन हो जिसके लिए कई मु)ों पर विचार-विमर्श कर प्रस्ताव लिए गए। आगामी होने वाले सामूहिक विवाह सम्मेलन में 51 जोड़ों का लक्ष्य रखा गया है। पंजीयन का कार्यक्रम शुरु कर दिया गया है साथ ही त्रिमूर्ति बालाजी मंदिर के पास स्थित एक खेत का समारोह स्थल के लिए चयन किया गया है।

वर-वधु के पक्षकारों को 21-21 हजार रुपये का शुल्क जमा करा कर व 11 सौ रुपये सदस्यता शुल्क जमा करवाकर पंजीयन करवा सकेंगे। वर की आयु 21 व वधु की आयु 18 वर्ष होने पर ह पंजीयन किया जायेगा। परबरसर, मकराना, बिदियाद, बोरावड़, बड़ू एंव कालवा छह गांव माली द्धसैनीऋ समाज सामूहिक विवाह समिति द्वारा आयोजित बैठक में संरक्षक मास्टर तुलसीराम सोलंकी, महामंत्री गणपतलाल टांक, सचिव वीरसिंह सोलंकी, मकराना माली समाज अध्यक्ष दुलीचंद सिंगोदिया, कालवा के देवीलाल बागड़ी सहित सैकड़ों नागरिको ने भाग लिया।

सवाई माधोपुर में 1 अप्रेल को सामूहिक विवाह

सवाईमाधोपुर। 18 जनवरी 2012 बुधवार को प्रात: माली सैनी समाज नीमचौकी शहर सावईमाधोपुर ने दिनांक 1 अप्रेल 2012 रामनवमी को आयोजित होने वाले अखिल भारतीय माली सैनी समाज के आदर्श सामूहिक विवाह सम्मेलन के लिए रणथम्भौर स्थित त्रिनेत्र श्री गणेश जी को निमंत्रण दिया। माली समाज नीम चौकी के आदरणीय पंचगण, सम्मानित समाज बंधु, युवा टीम सभी ने पूरे उत्साह व जोश के साथ गणेश जी के जयकारे लगाते हुए गणेश जी को न्यौता।

सैनी नवयुवक मण्डल के अध्यक्ष कमलेश सैनी बारवाल ने बताया कि कि विवाह सम्मेलन को सफल बनाने हेतु विभिन्न व्यवस्था समितियों का गठन किया गया। अब तक 65 जोड़े तय हो चुके हैं जिनके और बढ़ने की उम्मीद हैं। सम्मेलन को सफल बनाने हेतु सभी गणमान्य समाजबंधुओं से सुझाव लिए जा रहे हैं।

चौमूं: सामूहिक विवाह 2 अप्रेल को

चौमूं। माली सैनी महासभा पंचायत संस्थान जयपुर जिला देहात एवं सैनी समाज तहसील चौमूं के संयुक्त तत्वावधान में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 1 अप्रेल रामनवमी को सामूहिक विावह सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा हैं।

देहात अध्यक्ष सुरजमल सैनी ठेकेदार ने बताया कि इससे पूर्व पांच परिचय सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। जिनमें 20 जनवरी को परिचय सम्मेलन आयोजित किया गया। द्वितीय परिचय सम्मेलन 5 फरवरी, तृतीय 19 फरवरी, चतुर्थ 4 मार्च, पंचम 18 मार्च को आयोजित किए जाएंगे। जिनमें तय जोड़ों को 1 अप्रेल को आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में परिणय सूत्र में बांधा जाएगा।

डिग्गी: 30 अप्रेल को सामूहिक विवाह

डिग्गी,मालपुरा। माली सैनी समाज सामूहिक विवाह समिति डिग्गी के तत्वावधान में आगामी 30 अप्रेल को कल्याण धनी की नगरी डिग्गी में सामूहिक विवाह आयोजित किया जाएगा। समिति अध्यक्ष हरजीलाल खरोल्या ने बताया कि सम्मेलन को व्यापक बनाने हेतु टोंक जिले के सम्पूर्ण माली सैनी समाज के गांवों में सघन प्रचार-प्रसार किया जा रहा हैं। वहीं विभिन्न व्यवस्था समितियों का गठन किया गया है। -गोपाल झाडुल्या

किशनगढ़: 6 मई को सामूहिक विवाह

मदनगंज-किशनगढ़, अजमेर। क्षत्रिय फूल मालियान सामूहिक विवाह समिति के तत्वावधन में पांचवा विशाल सामूहिक विवाह सम्मेलन 6 मई 2012 को पीपल पूनम रविवार को विजयलक्ष्मी विहार, अजमेर रोड़, मदनगंज-किशनगढ़ में आयोजित किया जा रहा हैं। विवाह समिति उपाध्यक्ष डॉ. संतोष सैनी ने बताया कि इससे पूर्व चार सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किए जा चुके हैं।

सम्मेलन को सफल बनाने हेतु विभिन्न व्यवस्था कमेटियां गठित कर प्रचार-प्रसार किया जा रहा हैं।

सादड़ी में द्वितीय सामूहिक विवाह महोत्सव 1 मई, 2012 को

सादड़ी। फूलमाली समाज सादड़ी-पाली एवं फूलमाली विकास समिति सादड़ी-पाली के संयुक्त तत्वावधान में द्वितीय सामूहिक विवाह महोत्सव का आयोजन आगामी 1 मई 2012 मंगलवार को फूलमाली समाज की वाडी, राणकपुर रोड, सादड़ी में रखा गया है इस विवाह विवाह योग्य युवक-युवतियों के अभिभावक आगामी 29 फरवरी से पूर्व पंजीयन करवा सकेंगे। संस्था द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि विवाह हेतु युवक की आयु 21 वर्ष व युवती की आयु 18 वर्ष रखी है।

माता-पिता अपने बच्चों का संबंध अपने स्वविवेक से घर परिवार कुटुंब इत्यादि देखकर ही करें। आवेदन के साथ अंकतालिका, स्थानान्तरण प्रमाण पत्र की सत्यापित प्रति या तस्दीक शुदा शपथ पत्र व वर वधु के चार-चार फोटो जमा करवाने होंगे। विवाह संस्था की देखरेख में समाज के नियमों व रीतिरिवाजों के होंगे। सामूहिक विवाह संबंधी अधिक जानकारी हेतु श्री भंवरजी सरूपजी गहलोत (0996511112), श्री देवराजजी जेठाजी टांक (0982915157), श्री चुन्नीलाल जी कलाजी गहलोत (09413073966), एवं श्री मदनलाल पुखराजजी गहलोत (09829680027) पर संपर्क किया जा सकता है।

भरतपुर में प्रथम सामुहिक विवाह 6 मई, 2012 को

सैनी समाज सुधार समिति, नगर के तत्वावधान में प्रथम सामूहिक विवाह समारोह दिनांक 6 मई 2012 को कस्बा नगर में सभी सैनी समाज बन्धुओं के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। जिसमें अधिक से अधिक शादी योग्य लड़का एवं लड़कियों का पंजीकरण नियत समय तक कराकर सामूहिक विवाह समारोह में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करावें। इस पुनीत कार्य में आपना सहयोग प्रदान कर कार्यक्रम को सफल बनायें।

जोधपुर में 24 अप्रेल, 2012 को सामूहिक विवाह

जोधपुर। माली सैनी समाज के सामूहिक विवाहों की झड़ी में जोधपुर माली समाज द्वारा 24 अप्रेल, 2012 को सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इस विवाह समारोह में समाज के विभिन्न वर्गो के करीब 10 जोड़ों का रजिस्ट्रेशन हो चुका है इस संबध में अधिक जानकारी हेतु माली संस्थान, महामंदिर चौराहा, जोधपुर में संपर्क कर जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

संत श्री लिखमीदासजी महाराज

संत शिरोमणी श्री लिखमीदास जी महाराज स्मारक विकास संस्थान

समाधि स्थल पर प्रस्तावित निर्माण

ईश्वर भक्ति को साक्षात् प्रतिमूर्ति महाराज श्री लिखमीदासजी की समाधि नागौर जिला मुख्यालय से 8 किमी दूरी पर स्थित अमरपुरा ग्राम में है। यहां आपके वंश के ही परिवार आज भी निवास करते हैं। संत श्री लिखमीदासजी महाराज का समाधि स्थल हम सबके लिए ईश्वर के प्रति अनुपम आस्था का केन्द्र है। यह जितना भव्य एवं विशाल होगा उतनी ही भगवान और भक्तों व संतों के प्रति हमारी श्रद्धा बढ़ेगी। अत: यह अत्यन्त आवश्यक है कि इस स्थान को ऐसा स्वरूप प्रदान किया जाए जिसे देखकर सदियों तक आने वाली पीढ़ियों के अन्तर्मन में श्रद्धा रूपी सरिता सतत् प्रवाहित होती रहे। इस श्रद्धा रूपी सरिता से सिंचित होकर हमारा हृदय रूपी वृक्ष सदैव श्रेष्ठ संस्कार, सदाचरण और सच्चरित्र रूपी फल हमें देता रहे, यही हमारी कामना है। ईश्वर को कृपा दृष्टि हम पर बनी रहे और हम भी महाराज श्री की तरह लोक कल्याण में लगकर अपने मनुष्य जन्म को धन्य करें। इसके लिए यह अत्यन्त आवश्यक है कि हम समाधि स्थल के आसपास को अधिकाधिक भूमि का अधिग्रहण करें तथा भव्य मुख्य द्वार के साथ इसकी मजबूत चारदीवारी से निर्मित करें। समाधि स्थल के मूल स्वरूप को बाधित किए बिना इसे आधुनिक एवं दिव्य स्वरूप प्रदान किया जाए। ईश्वर के प्रति महाराज श्री को भक्ति भावना को ध्यान में रखते हुए ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित को जाए कि यहां भक्ति-ज्ञान-वैराग्य की त्रिवेणी नित्य प्रवाहित होती रहे। साधु-सन्तों के आवास तथा प्रसादी आदि की भी व्यवस्था हो तो यहां आने वाले संतगण महाराज श्री की वाणी का अधिकाधिक प्रचार-प्रसार कर सकेंगे।

समाधि स्थल पर भूमि पूजन

इसके अतिरिक्त यहाँ जो श्री श्रद्धालु भक्तगण वर्ष पर्यन्त आते रहते हैं, उनके लिए आवास हेतु पर्याप्त कक्ष, स्नानागर, शौचालय आदि का भी निर्माण प्रस्तावित है, ताकि यहां रहते हुए उन्हें किसी प्रकार को असुविधा नहीं हो। यहां आने वाले दर्शनार्थी प्राय: यहां आकर कथा-सत्संग-जागरण आदि का भी आयोजन करते रहते हैं अत: ऐसे आयोजन के लिए एक विशाल गुम्बज (शिखर) युक्त समाधि स्थल एवं सत्संग भवन (हॉल) का निर्माण अत्यन्त आवश्यक प्रतीत होता है। समूचे परिसर को आकर्षक एवं सौन्दर्ययुक्त बनाने तथा स्वास्थ्यप्रद पर्यावरण के अनुकूल करने की दृष्टि से चारों ओर पेड़-पौधे, बीच में आधुनिक प्रकाश व्यवस्था युक्त फव्वारा तथा पृथ्वी तल पर दूब का हरा-भरा नयनाभिराम प्रांगण हो तो समूचा समाधि स्थल सभी आगन्तुकों के लिए विशेष आकर्षण का केन्द्र बन सकता है। ये सभी प्रस्तावित निर्माण समाधि स्थल की प्राथमिक आवश्यकता ह तााि संत शिरोमणि श्री लिखमीदासजी महाराज

लोकार्पण समारोह में मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत एवं पूर्व मंत्री राजेन्द्र गहलोत

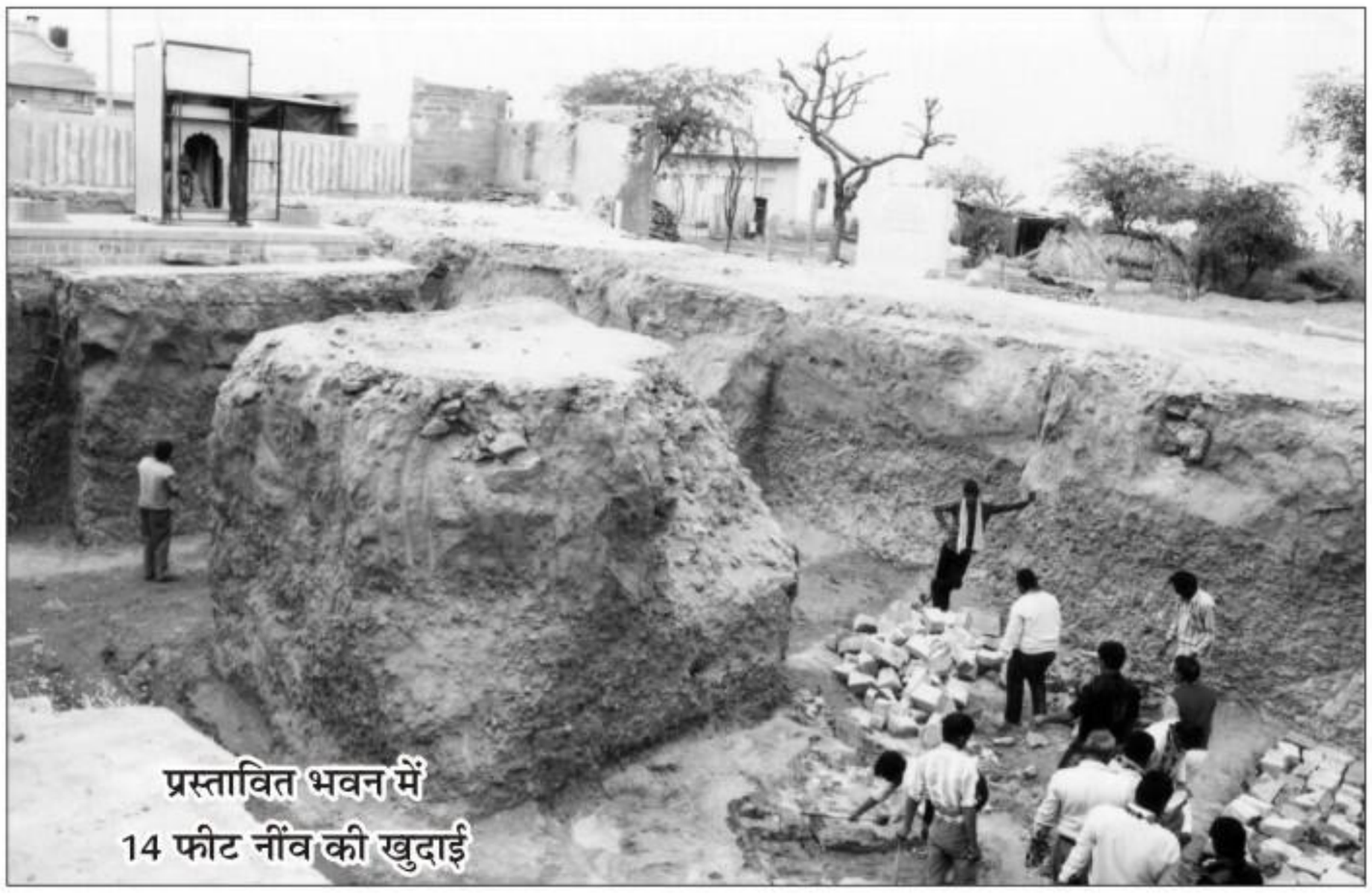

प्रस्तावित भवन में
14 फीट नींव की खुदाई

स्मारक विकास संस्थान की भावी योजना भी।

निर्माणार्थ सहयोग की अपील

माली-सैनी समाज के लिए यह अत्यन्त सौभाग्य का विषय है कि इस समाज में ऐसे संत-महापुरूष उत्पन्न हुए हैं, जिनकी भक्ति, साधना एवं तपस्या से प्रसन्न होकर परम पिता परमेश्वर किसी न किसी रूप में भूलोक पर अवतरित हुए हैं। ऐसे संतों में एक हैं भक्त शिरोमणि संत श्री लिखमीदासजी महाराज जिन्होंने लौकिक कर्म करते हुए भी ज्ञान-वैराग्य और भक्ति की अद्‌भुत मिसाल कायम की। कलियुग में ऐसे संत विरले ही मिलते हैं। अन्य समाजों में भी संत रविदास, पीपाजी जैसे अनन्य भत पैदा हुए, जिन्होंने अपनी भक्ति रूपी शक्ति से ईश्वर को प्रसन्न किया एवं जन कल्याण किया। स्थान-स्थान पर बने हुए उनके मंदिर-आश्रम-मठ आज भी ह में निर्मल भक्ति की प्रेरणा प्रदान करते हैं। ईश भक्ति एक ऐसा तत्व है जिससे हमें सदाचार, सुसंस्कार, सत्कर्म एवं सच्चरित्र की प्रेरणा प्राप्त होती है। सौभाग्य से माली समाज के संतप्रवर श्री लिखमीदासजी महाज के भी मन्दिर स्थान-स्थान पर प्रतिष्ठापित हो चुके हैं। राजस्थान में शिवगंज (सिरोही), उम्मेदाबाद, सायला (जालोर), सालावास (जोधपुर) समदड़ी, मोकलसर (बाड़मेर) के अलावा अहमदाबाद (गुजरात) तथा रायपुर (पाली), कीर्तिनगर मगरा पूंजला, जोधपुर में भी भव्य प्रतिमाओं के साथ महाराज श्री के मन्दिर स्थापित किए जा चुके हैं तथा अनेक स्थानों पर भी ऐसे ही मन्दिर निर्माणाधीन हैं। माली समाज के उद्यमी, व्यवसायी और अन्य देशों में रहने वाले प्रवासी अपने प्रतिष्ठानों में संतश्री को तस्वीर अवश्य लगाते हैं, किन्तु यह विडम्बना का विषय है कि समाज के ऐसे प्रतिष्ठित संत का मूल समाधि स्थल आज भी उपेक्षित है। वहाँ आधुनिक सुख-सुविधाओं का अभव है जिस कारण से संत श्री की निर्मल ईश्वर भक्ति का उतना प्रचार नहीं हो सका जितना होना चाहिए।, हम निवेदन करना चाहते हैं-समाज के प्रत्येक भामाशाह, उद्यमी, कृषक एवं आम जन से कि वे महाराज श्री के इस समाधि स्थल के वर्तमान स्वरूप को भव्य (दिव्य) स्वरूप प्रदान के लिए आगे आएँ। संत शिरोमणि श्री लिखमीदासजी महाराज स्मारक विकास संस्थान इस पवित्र ध्येय की प्राप्ति के लिए प्रयत्नशील है। वहाँ निवास कर रहे परिवारों के लिए अन्यत्र निवास को व्यवस्था कर दी गई है एवं समाधि स्थल परिसर खाली करवा दिया तथा अधिकाधिक भूमि अधिग्रहण, प्रस्तावित निर्माण को योजना, योजना को क्रियान्विति के लिए पर्याप्त धन संग्रह जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में आप सबके समर्पित हृदय एवं सक्रिय सहयोग को आवश्यकता है। महाराज श्री के भव्य स्मारक का निर्माण एक महान् भक्ति यज्ञ है। इस भक्ति रूपी महायज्ञ में आप जिस प्रकार की भी आहुति रूपी सहायता देना चाहें, अवश्य दें। आप सबके सहयोग से निर्मित भव्य स्मारक युगों तक भीवी पीढ़ी को प्रभु भक्ति एवं सामाजिक एकता की प्रेरणा प्रदान करता रहेगा। अस्तु।

लोकार्पण कार्यक्रम में समाज के दो दिग्गज राजनैतिज्ञ श्री अशोक गहलोत एवं राजेन्द्र गहलोत समाज की एकता की मिशाल देते हुए

लोकार्पण कार्यक्रम में समाज संत श्री रामप्रसाद जी महाराज का सम्मान करते अध्यक्ष श्री राजेन्द्र गहलोत एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष मोतीबा

चैन्नई माली समाज में होली स्नेह मिलन की धूम

चैन्नई। चैन्नई माली समाज ट्रस्ट साहुकार पेट द्वारा रंगों के पर्व होली पर राजस्थान के पूर्व मंत्री श्री राजेन्द्र गहलोत के मुख्य आतिथ्य में स्नेह मिलन का आयोजन किया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री शांतिलाल सुंदेशा ने बताया कि हर वर्ष आयोजित होने वाले इस आयोजन में प्रवासी माली समाज के सभी परिवार इस आयोजन में विभिन्न शहरों राज्यों से सम्मलित होते है। इस वर्ष इस आयोजन में करीब 2500 लोगों ने भाग लिया। सभी ने होली के इस पावन पर्व पर अबीर गुलाल से होली खेली।

संस्थान के सचिव श्री मदनलाल सुंदेशा ने बताया कि इस आयोजन में मुख्य रूप से डांडिया, राजस्थानी गैर और होली गायन का आयोजन किया गया जिसमें समाज के हजारों परिवारों ने जोर शोर से भाग लेते हुए सफल बनाया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए श्री राजेन्द्र गहलोत ने कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में एकता व सामाजिक समरसता बनती है। विभिन्न प्रांतों एवं शहरों के समाजबंधु एवं परिजन ऐसे आयोजनों में सम्मलित हो समाज के उत्थान एवं भावी योजनाओं के बारे में जानकारी तो प्राप्त करते ही है। साथ ही समाज के विभिन्न संस्थाओं द्वारा किये जा रहे समाजोत्थान के कार्यक्रमों की भी विस्तृत जानकारी भी प्राप्त करते है। समाज में ऐसे आयोजनों का अधिक से अधिक प्रचार प्रसार कर समाज में एक नई पहल करने पर मैं आयोजकों का हृदयतल से आभारी हूं।

संस्थान के सचिव श्री मदनलाल ने इस अवसर पर बताया कि समाज का एक पांच मंजिला भवन यहां साहुकार पेट में निर्माणाधीन है जिस पर समाज के दानदाताओं के सहयोग से तीन बड़े हॉल, 10 कमरें, संत शिरोमणी लिखमीदास जी महाराज का भव्य मंदिर होगा। इस भवन की मुख्य विशेषता यह होगी कि यह संपूर्ण भवन एयरकंडीशन (वातानूकुलित)होगा। प्रयाप्त कार पार्किंग के साथ ही सभी कमरों में एटेज्ड बाथरूम का भी निर्माण किया जा रहा है। इस भवन की तीसरी मंजिल का निर्माण कार्य जारी है। इस भवन के निर्माण में न सिर्फ चैन्नई बल्कि संपूर्ण भारत के माली समाज का आर्थिक सहयोग प्राप्त हो रहा है। आज के इस आयोजन में पांडेचरी तथा कडलोर के भी सैकड़ों परिवारों ने इस आयोजन में उपस्थित हो हर्षोल्लास के साथ रंगों के इस पावन पर्व का मजा लिया। तत्पश्चात आयोजकों द्वारा सभी के लिए स्वरूचि भोज की समुचित व्यवस्था की गई जिसका सभी ने लाभ उठाया। इस भव्य आयोजन के अंत में संस्थान के कोषाध्यक्ष ललित मण्डोरा सहित सभी पदाधिकारियों ने आगंतुकों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए हार्दिक आभार प्रकट किया। समाज के ऐसे आयोजनों से सामाजिक एकता की एक अनुठी मिसाल जो आज माली समाज चैन्नई ने पेश की है उसकी जितनी तारीफ की जाए उतनी कम है। माली सैनी संदेश ऐसे आयोजनों के लिए आयोजकों का बहुमान करता है।

समारोह में उपस्थित समाज के प्रबुद्ध समाजसेवी एवं व्यवसायी

पूर्व मंत्री श्री राजेन्द्र गहलोत का स्वागत करते अध्यक्ष श्री शांतिलाल सुंदेशा

स्नेह मिलन में डांडिया गैर खेलते समाजबंधु

शिक्षा से ही पिछड़ापन दूर होगा - राजेन्द्र गहलोत

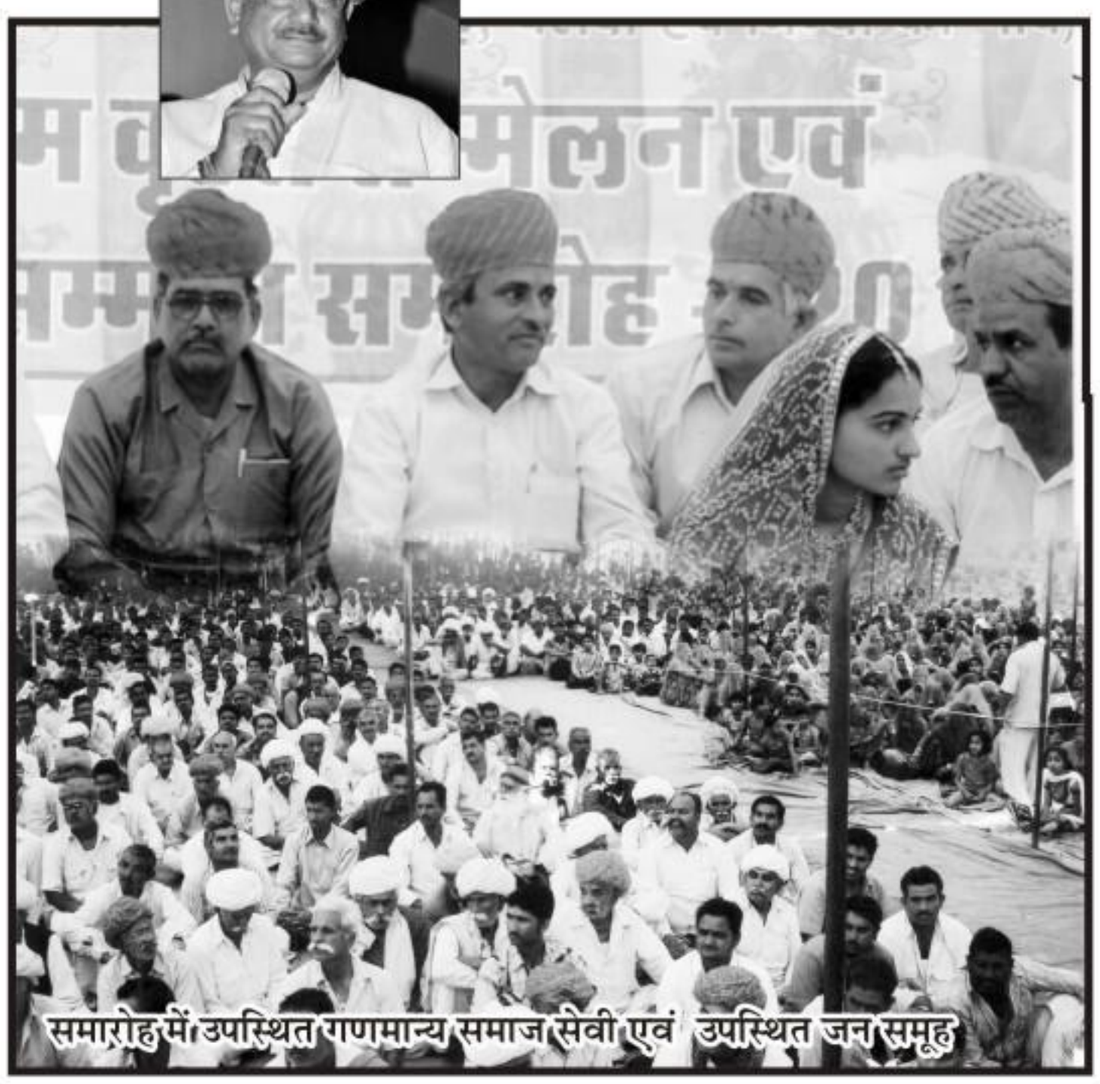

समारोह में उपस्थित गणमान्य समाज सेवी एवं उपस्थित जन समूह

बालेसर द्धजोधपुरऋ जोधपुर के बालेसर कस्बे में माली छात्र संघ बालेसर पांच गांव खेड़ा में प्रथम प्रतिभा सम्मान समारोह होली के शुभ अवसर पर 9 मार्च को आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम रामस्नेही उच्च माध्यमिक विद्यालय, बालेसर सत्ता में आयोजित किया है। इस कार्यक्रम के प्रेरणा स्त्रोत संत रामरतन जी महाराज थे।

कार्यक्रम में प्रथम बार बालेसर क्षेत्र के पांचो गांव बालेसर सत्ता, बालेसर दुर्गावता, कुई बेलवा एवं निम्बोरा गांव के सभी समाज बन्धुओं विशेष रूप से सरपंचो को अभिवादन करते हुए हजारो की संख्या में छात्र संघ के कार्यक्रम में उपस्थिति हेतु बधाई दी व इस अवसर पर कहा महात्मा ज्योतिबा फूले ने जो संदेश दिया है उसकी अनुपालना में शिक्षा से ही समाज का पिछड़ापन दूर किया जा सकता है, प्रतिभाओं का सम्मान मेरा सम्मान है व यह क्षेत्र जो शिक्षा के क्षेत्र में अति पिछड़ा है निश्चय ही ऐसे आयोजनो से शिक्षा का प्रसार बढ़ेगा। उन्होनें उपस्थित जनसमुह से कहा कि राज्य के यशस्वी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जो जनकल्याणकारी योजनाएं बनायी है उसे जन-जन तक पहुंचा कर समाज के सभी वर्गो में सेवा कार्य करना है व अपने व्यापार को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से करने का संदेश दिया।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि पूर्व मंत्री राजेन्द्र गहलोत ने प्रतिभाओ को बधाई देते हुए कहा कि जिस प्रकार से बालिकाओं एवं महिलाओं की उपस्थिति है यह शुभ संकेत है तथा इससे निश्चय ही इस क्षेत्र में शिक्षा का प्रसार बढ़ेगा।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में बालेसर सत्ता के सरपंच रेवतराम, बालेसर दुर्गावता सरपंच चेनाराम, कुई सरपंच बाबुलाल, बेलवा के पूर्व सरपंच छुगाराम परिहार एवं निम्बोरा गांव के सरपंच बगताराम गहलोत सहित प्रब) लोगो ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी जन प्रतिनिधियों का स्वागत किया।

राज्य सरकार की कल्याणकारी योजना का प्रचार -प्रसार ज्यादा से ज्यादा हो - राजेन्द्र सोलंकी

समारोह में उपस्थित जेडीए चेयरमेन श्री राजेन्द्र सोलंकी एवं पदाधिकारी

जोधपुर । जोधपुर शहर जिला कांग्रेस कमेठी के तत्वाधान में महामंदिर ब्लॉक कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन पेसिफीक गार्डन, सेटेलाईट अस्पताल के सामने, नयापुरा, मण्डोर में रखा गया, जिसमें कांग्रेस के इतिहास, सिद्वान्त, नीतियों, केन्द्रीय सरकार एवं राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजना के प्रचार-प्रसार के लिए कांग्रेस के कार्यकर्ताओ को क्रियान्वयन के लिए जन सम्पर्क के लिए आह्वान किया गया तथा कांग्रेस के संगठन को मजबूत करने के लिये व ज्यादा से ज्यादा कार्यकर्ता को जोड़ने के लिए सदस्यता अभियान चलाने का निर्णय लिया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि प्रदेश महामंत्री श्रीमती सुनिता भाटी, प्रभारी जोधपुर, प्रदेश सचिव व जोधपुर के सह-प्रभार वैद्यप्रकाश जी सोलंकी, जोधपुर शहर जिला कांग्रेस के अध्यक्ष श्री सैय्यद अंसारी, जोधपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री राजेन्द्र जी सोलंकी, नगर निगम जोधपुर के महापौर श्री रामेश्वर दाधीच, पूर्व विधायक श्री जुगल जी काबरा उपस्थित थे।

इसके अलावा कांग्रेस सेवादल के अध्यक्ष श्री हरेन्द्र जी राठौड़, महिला कांग्रेस के अध्यक्ष श्रीमती मनीषा पंवार, उदयमंदिर ब्लॉक अध्यक्ष इमामुद्दीन जी भाटी, सरदारपुरा युथ कांग्रेस हेमसिंह गहलोत, मंच-संचालक वार्ड 63 के अध्यक्ष रामेश्वर गहलोत ने किया, रमेशचंद माली, यूथ वार्ड नं. 63 के अध्यक्ष लक्ष्मण जी परिहार, विरेन्द्र जी गहलोत, वार्ड नं. 64 के पार्षद मंयक देवड़ा, वार्ड नं. 63 पार्षद श्रीमती शशिकला गहलोत, पार्षद नैनसिंह जी, पार्षद नरसिंह जी सुथार, पार्षद शकुर गौरी, विजय पुरी आदि समस्त सदस्यगण उपस्थित थे।

दानवीर समाजसेवी स्व. वेणी प्रसाद जी भाटी की स्मृति में श्रृद्धाजंलि सभा

फतेहपुर शेखावाटी। स्व. आशाराम भाटी सैनी छात्रावास एवं ए.आर.बी. पब्लिक स्कूल भवन में 26 फरवरी 2012, रविवार को समाज रत्न दानवीर स्व. श्री वेणी प्रसाद जी भाटी (वर्मा जी) को श्रद्धा सुमन अर्पित करने हेतु 'श्रृद्धाजंलि सभा' दोपहर 12 से 2 बजे तक हुई। सभा की अध्यक्षता श्री मातुराम सैनी पिलानी ने की। मंच पर विराजमान विशिष्ट जन थे- श्री मदनलाल सैनी पूर्व विधायक श्री बनवारी लाल भिण्डा-पूर्व विधायक, श्री नन्द किशोर महरिया, श्री मांगीलाल पंवार प्रदेशाध्यक्ष - महात्मा ज्योतिबा फूले राष्ट्रीय संस्थान, श्री मोतीलाल सांखला (मोती बाबा) प्रदेशाध्यक्ष अ.भा. ज्योतिबा फूले समता मंच, श्री बैजनाथ पंवार-चूरू, श्री सरदारमल तंवर-चूरू, श्री नारायणलाल गौड़ अध्यक्ष चूरू जिला अधिकारी कर्मचारी संघ, श्री बजंरग लाल गौड़ - रामगढ़, श्री मनीष सैनी - बैंक मैनेजर - कैंनरा बैंक फतेहपुर, श्री ओमप्रकाश खडोलिया पूर्व चेयरमैन, श्री राजू खोडारिया बिग्गा-राजलदेसर, फतेह मोहम्मद खान - उपखण्ड अधिकारी।

सर्वप्रथम श्री मातुराम सैनी ने स्व. भाटी जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर तथा अगरबत्ती जलाकर पुष्पार्पण किया। आचार्य राम गोपाल सैनी ने भगवद्गीता के द्वितीय अध्याय का शीर्षक कविता सुनाई। राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत के प्रतिनिधि श्री मांगीलाल पंवार ने मुख्यमंत्री जी द्वारा भेजा 'शोक सन्देश' पढ़कर सुनाया।

अन्य विशिष्ट उपस्थित जन थे- श्री बनवारी लाल सैनी-लक्ष्मणगढ़, ओमप्रकाश गौड़ लक्ष्मणगढ़, महावीर प्रसाद सैनी पूर्व चेयरमैन लक्ष्मणगढ़, सीताराम सैनी अध्यक्ष, सैनी जागृति मंच लक्ष्मणगढ़, शिव भगवान कम्मा-सरदारशहर, सीताराम कम्मा-रतनगढ़, निहालसिंह सैनी-बीकानेर, गुलाब गहलोत-बीकानेर, मोहनलाल तंवर-सरदारशहर, सत्यनारायण भाटी-चूरू, ओंकारमल बालाण-चूरू, भानी राम पंवार-चूरू, भंवरलाल तंवर-रामगढ़, विष्णु बागवान-रामगढ़, महेन्द्रसिंह पत्रकार झुंझुनुं, सीताराम सैनी श्रीमाधोपुर, बजरंगला किरोड़ीवाल-चूरू, भंवरलाल गौड़-चूरू, दिलीप पंवार-जगदीश प्रसाद कच्छावा-कुन्दनमल तंवर, जयपुर, महावीर प्रसाद पंवार, डीन सिंघानिया विश्वविद्यालय, विद्याधर सैनी-चिड़ावा थे।

श्री मांगीलाल पंवार ने स्व. वेणीप्रसाद जी के सम्बन्ध में बोलते हुए इन्हें महान समाज सेवक बताया। मोतीबाबा सांखला ने कहा कि राजस्थान ने एक बहुत बड़ा दानवीर खो दिया है। श्री मदनलाल सैनी ने कहा कि भाटी जी ऊर्जावान, साहसी, कर्मठ समाजसेवी थे। वे समाज को जागरूक व मजबूत बनाना चाहते थे। महावीर प्रसाद पूर्व चेयर मैन, बनवारी लाल बैंक मैनेजर तथा सीताराम सैनी लक्ष्मणगढ़ ने भाटी जी के समाज सेवा कार्यो का वर्णन किया। श्री आशाराम शास्त्री, श्री सतीश शाण्डिल्य अहिंसा प्रशिक्षक एवं श्री शिशुपाल सिंह नारसदा ने भाटी जी को सर्वात्मना समर्पित समाज सेवी बताया। अम्बर फतहपुरी शायर ने अपनी गजल के माध्यम से भाटी जी को श्रद्धाजंलि दी। प्रहलादराम बागड़ी व गुलाब गहलोत ने बताया कि भाटी जी के दिल में समाज सेवा की तड़प थी। सरदारमल जी तंवर और बैजनाथ जी पंवार ने कहा कि भाटी जी के चले जाने से समाज को जो क्षति हुई है वह अपूरणीय है। श्री बनवारी लाल भिण्डा पूर्व विधायक ने कहा कि भाटी जी एक दैदीप्यमान रत्न थे।

कार्यक्रम का संचालन आचार्य राम गोपाल शास्त्री प्राचार्य ने किया। सभी उपस्थित जनों ने 2 मिनट को मौन रखा। तदुपरान्त सभी लोगों ने स्व. भाटी जी के चित्र के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। भाटी जी के सभी पारिवारिक जनों ने आगन्तुकों का अभिवादन कर आभार प्रदर्शन किया।

श्री बैजनाथ पंवार चूरू ने घोषणा की कि भाटी जी पर एक 'स्मृति ग्रंथ' तैयार करेंगे तथा उसका प्रकाशन करवायेंगे।

माली समाज-रत्न, दानवीर
श्री वेणीप्रसाद भाटी
का निधन

फतेहपुर शेखावाटी (सीकर) निवासी एवं मुम्बई प्रवासी प्रसिद्ध इलेक्ट्रोनिक्स व्यवसायी श्री वेणी प्रसाद भाटी (68 वर्ष) का आकस्मिक निधन हदय गति रुक जाने से 17 फरवरी 2012 को सांयकाल 6 बजे फतेहपुर में हो गया।

18 फरवरी शुक्रवार को उनकी अन्त्येष्टि में शेखावाटी के तीनों जिलों से लोग बड़ी संख्या में आकर सम्मिलित हुए। प्रमुख लोगों के नाम इस प्रकार है:- श्री मदनलाल सैनी पूर्व विधायक गुढ़ा-उदयपुरवाटी, श्री बनवारी लाल सैनी बगड़ पूर्व लोकसभा प्रत्याशी, श्री मधुसूदन भिण्डा नगर पालिका चेयरमैन, श्री ओम प्रकाश माली पूर्व नगर पालिका चेयरमैन, श्री मोहनलाल सैनी नगर कांग्रेस अध्यक्ष, श्री गोपाल गहलोत-बीकानेर, श्री गुलाब गहलोत- बीकानेर, श्री रावतमल कम्मा सरदारशहर के पुत्र शिव भगवान कम्मा, श्री आनन्दटाक सीकर, श्री मनीराम सैनी नवलगढ़, श्री छगनलाल धूपिया झुंझुनूं, श्री ओम प्रकाश कम्मा सम्पादक 'माली पथ' सरदारशहर।

फतेहपुर नगर से - आचार्य राम गोपाल शास्त्री, विश्वनाथ सैनी एडवोकेट, श्री श्रीकृष्ण निमावत निदेशक निमावत पब्लिक स्कूल, बनवारी लाल सैनी प्रधानाध्यापक, कमल बागड़ी निदेशक गुरुकुल कोचिंग सेन्टर, सुरेश कुमार खजेलिया, श्री रामधन सैनी भभेवा ठेकेदार, दीनदयाल भभेवा, रामनिवास गढवाल, प्रहलादराम बागड़ी, रामस्वरुप कटारिया। श्री भाटी ने अपने पूज्य पिताजी की स्मृति में श्री आशाराम भाटी सैनी छात्रावास की स्थापना की थी।

श्री वैणी प्रसाद सैनी के निधन पर फतेहपुर शेखावटी ही नहीं वरन समाज के सभी समाजसेवियों ने समाज के विभिन्न सामाजिक संगठनों ने शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा के शांति की प्रार्थना की।

माली सैनी संदेश परिवार परम् पिता परमेश्वर से श्री वैणी प्रसाद सैनी की आत्मा को शांति प्रदान करने की प्रार्थना करते हुए। श्री वैणी प्रसाद सैनी के परिवार को हार्दिक संवेदना प्रकट करते है।

माली सैनी समाज के सभी वर्गो ने मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान का आभार माना

शाजापुर - गत माह भोपाल में आयोजित ऑल इंडिया सैनी सभा के राष्ट्रीय सम्मेलन में पधारे मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान ने आश्वासन दिया था कि - महात्मा ज्योतिराव फूले की जंयती पर मध्यप्रदेश शासन द्वारा ऐच्छिक अवकाश घोषित किया जाएगा।

उसी घोषणा पर अमल करते हुये महात्मा ज्योतिराव फूले की जंयती के द्ध11 अप्रैलऋ राज्य शासन द्वारा प्रदेश के शासकीय कार्यालयों तथा संस्थाओं के लिए ऐच्छिक अवकाश घोषित किए जाने पर ऑल इंडिया सैनी सभा परिवार अखित भारतीय महात्मा फूले समता परिषद् परिवार एवं म.प्र. का 85 प्रतिशत जनमानस जो महात्मा ज्योतिराव फूले को अपना आदर्श मानती है के साथ ही महात्मा फूले दर्शन परिवार, पिकप परिवार संयुक्त माली सैनी - मराट समाज परिवार सहित अन्य संगठनों ने एवं ऑल इंडिया सैनी सभा के जिलाध्यक्ष अशोक वर्मा, राधा वर्मा, चतुर्भुज प्रष्पक, मोहन कुशवाह, दिलीप परमार, मुकेश सुमन एड., राम गोपाल माली द्धपत्रकार संजय वर्मा, निलेश वर्मा, दीपक चौहानऋ, बद्रीलाल बोड़ाना, जगदीश प्रष्पद, मोहनलाल कानूडिया, मोहन आर्य, शंकरलाल वर्मा, गायत्री राजोटा, पुरुषोतम वात्रे आदि ने मुख्यमंत्री श्री चौहान के प्रति आभार व्यक्त किया है।

धार्मिक आयोजन सद्भावना के प्रतीक : श्री वैभव गहलोत

करौली। मंडरायल उपखण्ड के नयागांव में पिछले दिनों कांग्रेस के युवा नेता वैभव गहलोत ने कहा कि धार्मिक आयोजन संस्कृति के प्रतीक हैं। यह हमारी समृद्धशाली संस्कृति की पहचान हैं। इस प्रकार के आयोजन से नई पीढ़ी को पुरानी धार्मिक संस्कृति की जानकारी मिलती है। धार्मिक आयोजनों से लोगों में प्रेम, मेल-जोल, सदभाव और आपसी विचार-विमर्श का आदान-प्रदान होता है। वैभव गहलोत ने यह बात विगत दिनों संसदीय सचिव रमेश मीणा के निवास पर श्रीमद भागवत कथा के समपनेके अवसर परे कहीं। इस अवसर पर गहलोत ने लोगों के बीच जाकर हाथ मिलाते हुए उनकी कुशलक्षेम पूछी। इस धार्मिक आयोजन में आए लोगों को जिलना प्रभारी मंत्री व संसदीय सचिव रामकेश मीणा, संसदीय सचिव गिर्राज सिंह मलिंगा, प्रदेश कांग्रेस के पदाधिकारी धर्मेन्द्र राठौड़ एवं वरिष्ठ पत्रकार गोपाल शर्मा आदि ने भी संबोधित किया।

वैभव ने किए मां कैलादेवी के दर्शन: वैभव गहलोत ने इस मौके पर मां कैलादेवी मंदिर पहुंचकर देवी के दर्शन कर देश प्रदेश की खुशहाली कें लिए कामना की। इस दौरान मंदिर प्रभारी विजयराज द्वारा गहलोत को मां की चुनरी व प्रसाद भेंट किया गया। करौली प्रधान विद्यादेवी सैनी की ओर से उपप्रधान मनोज गोयल ने मां की चुनरी व प्रसाद भेंट किया। इस दौरान गंगापुर सिटी के पूर्व विधायक दुर्गाप्रसाद अग्रवाल, करौली पंचायत समिति के उपप्रधान मनोज गोयल, राधेश्याम सैनी, अमृतलाल मीणा, टुक्कीलाल सैनी, राधेश्याम प्रजापत, शिवराज सैनी आदि लोग उपस्थित थे।

बैंगलोर में महाशिवरात्री पर भव्य शिवरात्री का आयोजन

माली (सैनी) समाज द्वारा जयनगर चौथे ब्लॉक स्थित सनातन कला क्षेत्र में महाशिवरात्रि महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया, भजन कलाकार चंदनपुरी गोस्वामी एवं साथियों ने सुमधुर भजनों की प्रस्तुति दी। पूजा, अर्चना, आरती के पश्चात् प्रसादी वितरण किया गया। कार्यक्रम में थानाराम भाटी, पुखराज पालरिया, रूघाराम सांखला, रमेश कच्छवाहा, भैरूलाल चौहान, गोरधनलाल सोलंकी एवं अन्य समाज बंधु उपस्थित रहे।

श्रीमती बबली आर्य जवाहर नवोदय विद्यालय चयन समिति सदस्य मनोनीत

भरतपुर। दलित एवं पिछड़े वर्ग को समर्पित समाज सेविका श्रीमती बबली आर्य (सैनी) जवाहर नवोदय विद्यालय छोकरवाड़ा (भरतपुर) की लगातार पिछले छः वर्ष से शिक्षक अभिभावक समिति की सक्रिय सदस्य है प्रत्येक माह समिति की होने वाली मिटिंग में छात्राओं की समस्याओं से विद्यालय प्रशासन को अवगत करा उनका निदान करवाती आई है।

श्रीमती आर्य छात्राओं को मैस में झूठन न छोड़ने की राय देती है वहीं बेवजह लाईट के दुरूपयोग न करने की सलाह देती है। श्रीमती आर्य के प्रयासों का फल है कि पिछले 6 वर्षो से विद्यालय में छात्राओं ने मैस में भोजन व होस्टल में लाईट का दुरूपयोग रोका है। श्रीमती आर्य विद्यालय की समस्याओं को जिला प्रशासनिक स्तर पर हल कराने में पूर्ण सहयोग देती है। विद्यालय को आपके अच्छे सहयोग एवं सर्मपण को देखते हुये आपको जवाहर नवोदय विद्यालय छोकरवाड़ा की चयन समिति के सदस्य के रूप में आपका चयन किया गया है।

सैनी समाज भरतपुर आपको हार्दिक बधाई देता है।

शिक्षा के बिना जीवन अधूरा- राजेन्द्र सोलंकी

बीजंवाडिया (मथानियां, जोधपुर) राजकीय माध्यमिक विद्यालय बींजवाडिया के मुख्य द्वार का लोकार्पण 11 मार्च को सम्पन्न हुआ। इस समारोह के मुख्य अतिथि जोधपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष राजेन्द्र सोलंकी थे। इस मुख्य द्वार का निर्माण ठेकेदार गेनसिंह भगवान सिंह गहलोत ने करवाया। इस अवसर पर जेडीए अध्यक्ष, राजेन्द्र सोलंकी ने दानदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षा बिना जीवन अधूरा है यह क्षेत्र विगत कई वर्षो से इस क्षेत्र ने अनेक प्रतिभाओं को दिया है जो सभी क्षेत्रों में समाज का गौरव बढ़ा रहे है।

उन्होंने कहा कि शिक्षा का महत्व यह क्षेत्र समझता है व अनेक प्रतिभाएं भी यहां से आयी है इसलिए दानदाता भी बढ़ चढ़ कर इस क्षेत्र में सहयोग कर रहे है उन्होनें क्षेत्रवासियों को बधाई देते हुए कहा कि शिक्षा की ज्योति को आगे से आगे बढ़ाना है। इस अवसर पर शाला प्रधानाध्यापक ने सभी आगन्तुकों का स्वागत किया व सरपंच बाबूलाल परिहार ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में आस-पास के क्षेत्रों के सरपंचों एवं प्रबद्ध लोगो ने उपस्थिति दी।

श्री वैदिक कन्या स्कूल का वार्षिक उत्सव धूमधाम से सम्पन्न

सुमेरा खान मिस वैदिक कन्या बनी

समारोह का शुभारम्भ करते जेडीए चेयरमेन राजेन्द्र सोलंकी एवं मिस वैदिक कन्या की विजेता एवं रनर अप

श्री वैदिक कन्या सीनियर सैकण्डरी, बागर चौक, जोधपुर में आज वार्षिक उत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह धूम-धाम से मनाया गया। इस अवसर पर जोधपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री राजेन्द्र सिंह सोलंकी मुख्य अतिथि एवं क्षैत्रिय पार्षद श्री अब्दुल करीम व श्रीमती अन्जू चौहान, श्री करणसिंह इन्दा अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

श्री सोलंकी ने विद्यालय के प्रतिभावान छात्राओं को पुरस्कार वितरण किया और बताया कि राज्य सरकार द्वारा बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु जो योजना लागु की जा रही है उन योजनाओं से बालिकाओ एवं अभिभावको को पूर्ण जानकारी प्रदान करवा कर अधिक से अधिक समाज के हर वर्ग की बालिकाओ को शिक्षा की प्रति प्रेरित करे जिससे परिवार व समाज विकसित बन सकें।

समारोह में विद्यालय की छात्राओं, नृत्य, मिस वैदिक कन्या इत्यादि कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। विद्यालय की छात्रा कुमारी सुमेरा खान मिस वैदिक कन्या चुनी गई। मिस वैदिक कन्या बनने से पूर्व पूछे गये प्रश्न में सुमेरा खान का कहना है कि अगर मुझे मुख्यमंत्री चुनने का मौका दिया जाता है तो मैं श्रीमान अशोक गहलोत जी को ही चुनुगीं क्योंकि उनके द्वारा चलाई गयी मुफ्त दवा योजना जिसके कारण आर्थिक स्थिति से कमजोर व्यक्ति (लोगो) को सहायता मिलती है।

कार्यक्रम में पधारे हुए अतिथितियों का स्वागत व्यवस्थापक श्री महिपालसिंह परिहार, कोषाध्यक्ष श्री माधोसिंह सांखला, कार्यकारिणी सदस्य श्री प्रमोद कच्छवाह, विद्यालय प्रधानाचार्य श्रीमती तारा कच्छवाह, सावित्री फुले महिला महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शशि गहलोत द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन सुश्री दीक्षा मिश्रा एवं अंकिता परिहार द्वारा किया गया।

माली सैनी संदेश मेरिज ब्युरो

माली समाज में पारस्परिक रिश्तें कायम करने के लिए विवाह योग्य युवक युवती का रजिस्ट्रेशन(पंजीयन)नि:शुल्क किया जाता है। पत्रिका ऐसे सभी योग्य वर/ वधू का पंजियन कर उनका विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित करेगा इस हेतु लड़की की न्यूनत्तम आयु 18 वर्ष व लड़के की न्यूनत्तम आयु 21 वर्ष होना आवश्यक है। पत्रिका की ओर से वर्ष में एक बार परिचय सम्मेलन का भी आयोजन किया जायेगा। संभावित रिश्ते वाले दोनों पक्षों को सूचित कर रिश्तें कायम करने का हर संभव प्रयास किया जायेगा।

युवक-युवती व्यक्तिगत विवरण

नवीनतम फोटो

क्रम संख्या..... दिनांक .....

1. युवक/युवती का नाम.....गौत्र .....

2. युवक/युवती कार्यरत है, व्यवसाय का नाम व पता.....

.....

.....फोन नम्बर.....मोबाईल नम्बर.....वार्षिक आय.....

3. शैक्षिक योग्यता .....विशेष योग्यता.....

3. जन्म तिथि..... ऊँचाई.....से. मी. वजन..... किलो

4. शारीरिक रंग : गोरा/गेंहुआ/श्याम.....चश्में का प्रयोग : हा/ नहीं..... मांगलिक है या नहीं.....

3. अन्य जानकारी जो आप देना आवश्यक समझें.....

.....

3. पारिवारिक विवरण

पिता का नाम.....माता का नाम.....

माता/पिता का निवास स्थान.....

.....फोन नम्बर.....मोबाईल नम्बर.....

माता/पिता व्यवसायिक पता.....

.....फोन नम्बर.....मोबाईल नम्बर.....

वार्षिक आय.....मकान निजी/किराये का.....

भाई-बहनों की संख्या..... विवाहित :भाई..... बहिन..... अविवाहित :भाई.....बहिन.....

4. ननिहाल पक्ष विवरण

नाना /मामा का नाम व पूरा पता.....

.....

.....फोन नम्बर.....मोबाईल नम्बर.....

हस्ताक्षर अभिभावक दिनांक ..... **हस्ताक्षर युवक/ युवती**

भेजे : **माली सैनी संदेश**, पोस्ट बाक्स नं. 09, जोधपुर या फिर ई-मेल करें : malisainisandesh@gmail.com; www.malisaini.org

जीवन परिचय

धर्मसिंह सैनी

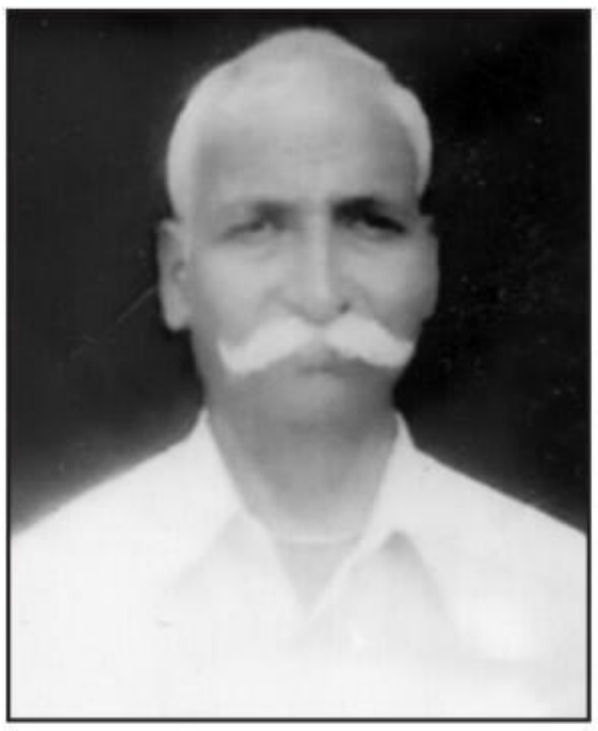

दुनियां में कुछ करने वालों को, सदा सत्कार मिला करते।

धर्मसिंह सैनी का जन्म 3 जनवरी 1950 को पिता हरचन्द सैनी के परिवार ग्राम मादस तहसील-फिरोजपुरा फिरका जिला - मेवात (हरियाणा) में हुआ। मात्र 12 वर्ष की अल्प आयु में पिता का साया सर से उठने के कारण शिक्षा का क्रम कक्षा 5वीं में रूक गया। पिता के आकस्मिक निधन के कारण परिवार में ज्येष्ठ पुत्र होने के नाते परिवार की सारी जिम्मेदारियां खेलने-कुदने की उम्र में कमजोर कन्धों पर आ गई। बस फिर क्या ? कब दिन निकला कब रात ढली, उनको कुद भी याद न रहा। माँ सौमौती देवी पति के निधन से टूट सी गई। बारह वर्ष के बालक धर्मसिंह सैनी ने थोड़ी सी खेती में मेहनत मजदूरी करके परिवार को सम्बल प्रदान किाय। मादस गांव में वेद प्रचार करने के लिये आर्य समाज के उपदेशक आया करते थे, आर्य विद्वानों, उपदेशकों के सम्पर्क एवं प्रेरणा से आप आर्य समाज की विचार धाराओं से जुड़े। बस यहां से आपका जीवन ही बदल गया और मानव सेवा को अपने जीवन का उद्देश्य बना लिया।

''सुकर्मो से उठें ऊंचे, जमाना उन्हें सर झुकाता। गिराने से किसी के वे गिराये जा नही सकते ''

युवावस्था में आपको च्ण्क्ण् में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के पद पर राज सेवा करने का मौका मिला। मेवात जिले में मुस्लिम आबादी 80 प्रतिशत से ऊपर है और हिन्दु आबादी 20 प्रतिशत से कम ऐसे इलाकों में गौ एवं हिन्दुत्व की रक्षा करना बड़ा कठिन कार्य है परन्तु '' जिनके हौसले बुलन्द हो उन्हें तूफान डरा नहीं सकते ''। विषम परिस्थितियों में भी आप धर्म एवं गौ रक्षा में सतत लगे हुये है। गांव मादस में आपके एवं आचार्य आनन्द मित्र व कुछ ग्रामीणों के सहयोग से सन् 1994 में आर्ष गुरूकुल की स्थापना की गई जहां अनेक ब्रह्मचारी आर्ष शिक्षा पद्धति से शिक्षा ग्रहण कर रहे है। अपने ही भाईयों ने आप पर कई बार लाठी व पत्थर बरसाये और आपको एवं आचार्य आनन्द मित्र को झूठे मुकदमों में साढ़े आठ साल तक उलझाये रखा।

काटों से नेंह लगाने वालों को, नही फूलो के हार मिला करते। तूफानों से टकराने वालों को, नही कूल कगार मिला करते।।

आप समाज से अन्धविश्वास, मृत्युभोज, भ्रूण हत्या, मूर्तिपूजा, दहेज जैसी कुरूतियों को मिटानें में प्रयासरत हो। आप आचार्य आनन्द मित्र के साथ गौ कसी को रोकने के लिये प्रयासरत हो।

लहू से नहाती जमीं हर तरफ, जर्रे-जर्रे में बदहवासियों की तलब।
आतिस से जलता है यह चमन, सारब जाने न पाये करो कुछ जतन।।

उक्त लाईने आपके सहयोगी आचार्य आनन्द मित्र पर पूर्ण चरितार्थ होती है। आपका ज्येष्ठ पुत्र दयानन्द आजीवन ब्रह्मचर्य व्रत की दीक्षा लेकर सन्यास आश्रम में प्रवेश कर गौर रक्षा को पूर्ण समर्पित हो गया। आज उनकी ''श्री दयानन्द गौशाला'' आठ बीघा जमीन में बनी हुई है (दयानन्द ऐतिहासिक सद्कार्यो के बारे में आगामी अंको में प्रकाशन करेंगे) आपके 5 पुत्र एवं 4 पुत्रियां है आपकी धर्मपत्नी श्रीमती चमेली देवी की अतिथि सेवा की दूर-दूर तक चर्चा है।

जेल यात्राऐः- आपने गौरक्षा एवं संस्कृति व संस्कृत बचाओं के नेतृत्व में जन्तर-मन्तर दिल्ली पर गौ रक्षा हेतु आन्दोलन किया जिसके तहत दिल्ली पुलिस ने आपको गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया गया।

जो बने रहनुमा जग भर के, उनको तपना पड़ता है जीवन में। दुनियां की पीर मिटाने वालो को, नहीं सुख आधार मिला करते।।

पदः- आपके सद्कार्यो के कारण आपने ''आर्य युवक परिषद मेवात'' के प्रधान पद को शिशोभित किया। आर्य समाज मादस के प्रधान पद एवं आर्ष गुरूकुल मादस में आजीवन महासचिव पद का उत्तरदायित्व आप भली भांति संभाल रहे है।

सम्मानः- हरियाणा आर्य युवक परिषद-'पलवल' व आर्ष गुरूकुल मादस के द्वारा एवं वेद प्रचार मण्डल मेवात द्वारा और विचगांव 84 पाल द्वारा सक्रिय सदस्य, श्रेष्ठ समाजसेवी, समाज गौरव आदि-आदि सम्मानों से आपको विभूषित किया गया।

पाषाणो को गति देने वालों को, कंकालो में ज्वाला भरने वालों को।
प्रतिकूल धार के लड़ने वालों को, नहीं पथ आसान मिला करते।।

| माली का दर्द |

आचार्य जी, फतेहपुर

माली अपने गांव जा रहा, कुटिया कर अपनी खाली।
अब आगे को कौन करेगा, इस बगिया की रखवाली।।

उस माली को आहत कर दिया, जहरीले शर-वारों से।
तोड़ दिया है दिल मालिक ने, तीखे शब्द-प्रहारों से।।

जिसने खून-पसीना देकर, सुन्दर चमन सजाया था।
टूटे हुए साज से जिसने, सुन्दर राग बजाया था।।

मालिक का रूखापन लखकर, आगे कदम बढ़ाता है।
पाला-पोसा चमन मगर फिर, वापस खींचे लाता है।।

रामगढ़ सैनी युवको का कमाल

20 युवकों व 3 युवतियों में से 13 ने परीक्षा पास की

रामगढ़ शेखावाटी (सीकर) के कुछ युवको ने मात्र 4 महीनों की अवधि में एक कमाल दिखा दिया है। उन्होंने सैनी समाज के 20 युवकों तथा 3 युवतियों को बैंक की क्लेरिकल परीक्षा की तैयारी करवाई। उनमें से 13 लोगों ने परीक्षा पास कर ली। इनमें 2 युवतियां हैं।

जो युवक जोधपुर के प्रतियोगी संस्थान में तैयारी करकर आ गये, जिन्होंने कुछ परीक्षाएं दे दी किन्तु परिणाम की प्रतीक्षा में थे, ऐसे कुछ युवकों ने सुभाष गौड़ के नेतृत्व में एक प्रतियोगी प्रशिक्षण केन्द्र चालू किया। इस कार्य में श्री राधेश्याम चूनवाल ने संरक्षक बनकर युवकों को स्थान, फर्नीचर एवं अन्य साधन उपलब्ध करवाये।

श्री भंवरलाल तंवर का भी मार्गदर्शन रहा। इसमें स्वयं बेरोजगार छात्र ही निःशुल्क प्रशिक्षक बने। प्रशिक्षण देने वाले छात्र हैं–सुभाष गौड़, सत्यनारायण गौड़, संदीप तंवर, सुभाष मिटावां, राधेश्याम जमालपुरिया, सुरेन्द्र मारोठिया एवं सतीश तंवर। 4 अगस्त 2011 को चालू किये गये बैच में प्रांरम्भ में मात्र 3 छात्र थे किन्तु बाद में संख्या बढ़ते–बढ़ते 23 हो गई। इनमें रामगढ़, नारसरा, चूरू तथा बिसाऊ के छात्र थे। आई.बी.पी.एस. क्लर्क रिटन परीक्षाओं में इनमें से 2 युवतियों सहित 13 छात्र पास हो गये। अब ये साक्षात्कार की तैयारी कर रहे हैं।

19 बैंको के लिए परीक्षा लेने वाले बोर्ड ने साक्षात्कार के लिए मैरिट में 105 प्राप्तांक घोषित किये हैं जबकि परीक्षा उत्तीर्ण छात्रों के प्राप्तांक 2 छात्रों के 123–125 हैं जबकि 11 छात्रों ने 150 से 165 तक अंक प्राप्त किये हैं। 2 युवकों को मिले नियुक्ति मिल गई है।

डॉ. उर्मिला सैनी बनीं केन्द्र सरकार की सेवा में प्राध्यापक

बगड़ (झुंझुनूं) निवासी श्री श्रवण कुमार पंवार की प्रतिभाशाली पुत्री सुश्री डॉ. उर्मिला सैनी भारत सरकार के अन्तर्गत प्राध्यापक पद पर 10 जनवरी 2012 को नियुक्त हो गई है। आपने भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अन्तर्गत राजभाषा विभाग के केन्द्रीय हिन्दी प्रशिक्षण संस्थान पाराद्वीप (उड़ीसा) में प्राध्यापक पद पर कार्यारंभ कर दिया है। आपका चयन कर्मचारी चयन आयोग, नई दिल्ली द्वारा किया गया है।

राजस्थान विश्वविद्यालय में एम.ए. हिन्दी में गोल्ड मेडलिस्ट रही उर्मिला पी.एच.डी., नेट एवं बी.एड. उत्तीर्ण है। उर्मिला ने अपनी बड़ी बहिन डॉ. श्रीमती कलावती सैनी से बहुत प्रेरणा ली है जो सम्प्रति दिल्ली विश्वविद्यालय के मिरांडा हाउस कॉलेज में रसायन विज्ञान की प्राध्यापक है।

उर्मिला व कलावती के पिताजी श्री श्रवण कुमार धन्य हैं जो अपनी टेलरिंग की साधारण सी दुकान चलाकर भी आपने अपनी बेटियों को उच्च शिक्षा दिलवाई। 31 वर्षीया सुश्री उर्मिला इससे पूर्व हरनाथपुरा–नुआँ के रामादेवी बालिका पी.जी. महाविद्यालय में प्रोफेसर रही।

उत्तर प्रदेश विधान सभा में माली सैनी समाज के जीते प्रत्याक्षी

डॉ. धर्मसिंह सैनी	नकुड – सहारनपुर	बसपा
भगवानसिंह कुशवाहा	खेरागढ़ – आगरा	बसपा
ममतेश शाक्य	अमांपुर – काशीरामपुर	बसपा
आलोक शाक्य	भारेगांव – मेनपुरी	सपा
आशुतोष मौर्य	बिसौली – बधायूं	सपा
सिनोद कुमार शाक्य	दातागंज – बधायूं	बसपा
पितमराम माली	पूरनपुर – पीलीभीत	सपा
नीरज कुशवाहा	जलालाबाद – शाहजाहपुर	बसपा
रघुनाथसिंह शाक्य	ईटावा – सदर	सपा
संतराम कुशवाहा	गांधीगढ़ – जालोन	बसपा
रमेश कुशवाहा	ललितपुर	बसपा
सुखदेवप्रसाद वर्मा	बिंदका – फतेहपुर	बसपा
केशवप्रसाद मौर्य	सिरायू – कौशांबी	भाजपा
स्वामीप्रसाद मौर्य	पडरोना – कोसीनगर	सपा
उदयलाल मौर्य	शिवपुरी – वाराणसी	बसपा
अविनाश कुशवाह	राबटूर्सगंज – सोनभद्र	सपा

इसके अतिरिक्त विभिन्न राजनीतिक दलों ने समाज के करीब 36 और प्रत्याशियों को चुनावी टिकट दिया लेकिन वह विजयी नहीं हुए। इन सभी 17 विजयी विधायकों को हम समाज की ओर से हार्दिक बधाई प्रेषित करते है।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से आशायें

उत्तम प्रदेश का लक्ष्य लियें, जो दिल में आस लगाई है,
वो घड़ी सुहानी आई है।

1. सपना प्रदेश चमकानें का, बस आगे बढ़ते जाने का
हर पथ आसान बनाने का, पुष्पों की सेज बिछाई है।
वो घड़ी सुहानी आई है।

2. जल जीवन व्यर्थ न जाने को, विद्युत की बचत कराने को,
शिक्षा को सुलभ बनाने को, योजना सटीक बनाई है।
वो घड़ी सुहानी आई है।

3. दुखियों के जखम मिटाने को, प्यारा मरहम लगवाने को,
खोई मुस्कान दिलाने को, सत्ता हाथों में आई है।
वो घड़ी सुहानी आई है।

4. मजदूर किसान की आशायें, आशा है आश नही जाये,
उलझें प्रश्नों को सुलझायें, आशा की ज्योति जगाई हैं।
वो घड़ी सुहानी आई है।

5. उम्मीद है रूख को मोड़ोगें, हर दिल से दिल को जोड़ोगें,
बन्धन भेदभाव के तोड़ोगे, वो प्यार की डोर बधाई है।
वो घड़ी सुहानी आई है।

जगदीश आर्य
भरतपुर

बहुओं को भी भेजें स्कूल, कॉलेज

- आचार्य राम गोपाल सैनी फतेहपुर शेखावाटी (सीकर)

हमारे यहाँ मात्र बेटियों को पढ़ने के लिए स्कूल, कॉलेज भेजते हैं। ससुराल जाने पर उनकी पढ़ाई बन्द हो जाती है। ससुराल में बहु को स्कूल-कॉलेज भेजने का प्रचलन नहीं है। इससे लड़कियों का शादी करते ही शिक्षा का मार्ग अवरु) हो जाता है। लड़कियों की शिक्षा शादी के बाद ससुराल में भी जारी रहनी चाहिये। इसके लिए ससुराल वाले अपनी बहुओं को उच्च शिक्षा के लिए स्कूल, कॉलेज भेजें। आपके कस्बे, गाँव में उच्च शिक्षा का कॉलेज न हो तो उन्हें बड़े शहर में पढ़वायें। शिक्षा ही उन्नति का मूल है। शिक्षा विकास के सोपान है। अशिक्षा है अज्ञान तथा शिक्षा है प्रकाश।

जाट जाति सुधार के कार्यो को हिम्मत के साथ सबसे पहले ग्रहण करती है। नारी शिक्षा का सबसे ज्यादा प्रचलन इसमें है। शादी के बाद ससुराल में भी ये पुत्रवधुओं को कॉलेज भेजते हैं। अन्य जातियों को भी इनके साहस, परिश्रम एवं शिक्षा के साथ जुड़ाव का अनुसरण करना चाहिये।

महात्मा ज्योतिबा फूले की पत्नी सावित्रीबाई विवाह के समय अनपढ़ थी। ज्योतिराव ने पहले स्वयं उसे घर पर पढ़ाया। फिर उसे मिसेज मिचेल के नॉर्मल स्कूल में भर्ती करवाकर 4 साल पढ़वाया। तब वह योग्य बनी और शिक्षा क्षेत्र में उतरकर भारत की प्रथम महिला अध्यापिका बनी और नारी शिक्षा का उसने शंखनाद किया। चूरु के श्री अशेक चौहान की पत्नी शादी के समय 8 वीं पास थी। पति अशोक जी ने उसकी शिक्षा को आगे जारी रखा। आज उनकी पत्नी पुष्पा चौहान एम.ए. है तथा राजकीय सेवा में ए.एन.एम. हैं।

चूरु के श्री नौरंग वर्मा की पत्नी नोन मेट्रिक थी। श्री नौरंग वर्मा राजकीय स्कूल में क्लर्क थे। वे अपनी पत्नी को अपने साथ स्कूल ले जाते तथा दसवीं कक्षा में बैठाते थे। पढ़ाते-पढ़ाते उसे सीनियर सैकण्डरी व एस.टी.सी. करवाई। राजकीय सेवा में वह अध्यापिका लग गई। आज वह एम.ए.बी.एड. है तथा मिडिल स्कूल की प्रधानाध्यापिका है।

श्री दिनेश चन्द्र अग्निहोत्री फतेहपुर ने अपनी बी.ए. पास पुत्रवधू को दूसरे कस्बे के कॉलेज से एम.ए. द्धअंगेजीऋ करवाया। वहीं एक परिवार में किराये का कमरा लेकर बहु को रखा। एम.ए. के पश्चात एक दूसरे कस्बे में रखकर उसे बी.एड. करवाया। आज वह बहु नौकरी कर रही है।

आशावाली ढाणी द्धबगड़-झुंझुनूंऋ की बहु श्रीमती अरुणा सैनी ने राजकीय सेवा में अध्यापिका रहते हुए आर.ए.एस. परीक्षा पास कर ली है।

फतेहपुर के श्री काशी प्रसाद महीचा जोधपुर में इन्जीनियर रहे। पहले उन्होंने अपनी पत्नी को बी.ए. करवाया। फिर उसे पुलिस मे एस.आई. बनने के लिए प्रेरित किया। वे अपनी पत्नी को सुबह सार्वजनिक उद्यान में ले जाते। वहाँ स्वयं साथ दौड़ते और पत्नी को दौड़ाते, उसे ऊँची कूद, लम्बी कूद सब करवाते। हिम्मत बढ़ाते। आज उनकी पत्नी पुलिस में एस.आई. है।

प्रसि) खिलाड़ी कृष्णा पूनिया को उसके पति ने स्वयं उसका कोच बनकर खेलों में आगे बढ़ाया। आज कृष्णा पूनिया अन्तर्राष्ट्रीय खिलाड़ी है।

महिला की सबसे बड़ी कठिनाई बच्चे पैदा होना व उनको पालना है। यह शिक्षा की प्रगति में एक बाधा है। किन्तु पति-पत्नी दोनों यह संकल्प कर लें कि 5-7 वर्ष तक बच्चे नहीं पैदा करने हैं। आजकल परिवार नियोजन के अनेक तरह के साधन चल गये हैं। जब तक न चाहें तब तक गर्भधारण को टाल सकते हैं। बच्चे तो बाद में भी पैदा कर सकते हैं। पहले बहु को उच्च शिक्षा दिलवाकर उसे कोई रोजगार दिलवा दें।

परबतसर माली समाज के चुनाव सम्पन्न रामगोपाल दग्धी अध्यक्ष बने

परबतसर। माली सैनी समाज परबतसर के चुनाव पिछले दिनों फूल मालियान छात्रावास में अखिल भारतीय नरबदेश्वर महामंदिर पुष्कर के अध्यक्ष व छह गांव विवाह समिति के अध्यक्ष सेवाराम माली की देखरेख में सर्वसम्मति से सम्पन्न हुए।

चुनावों में किशनगोपाल दग्धी को अध्यक्ष, पवन कुमार दग्धी को उपाध्यक्ष, सूरजमल टांक को कोषाध्यक्ष तथा प्रेमप्रकाश दग्धी को महामंत्री, सूगनलाल दग्धी, राधाकिशन दगधी, कैलाश सांखला, बाबूलाल दग्धी, घीसालाल भाटी, शंकरलाल तंवर, सूरजकरण भाटी, राजेन्द्र तून्दवाल, भंवरलाल जादम, बंकटलाल तून्दवाल, तुलसराम दग्धी, गोरधन दग्धी, चतराराम तून्दवाल, नौरतमल उबाणा, कानमल टांक, पूसाराम दग्धी, भंवरलाल तंवर को सदस्य चुना गया है।

सरदारमल जी सर्वसम्मति से दुबारा चुन गए शेखावाटी के सरदार

चूरू। 22 जनवरी 2012 को टाउन हाल चूरू में शेखावाटी सैनी समाज सेवा संस्थान के वार्षिक निर्वाचन में शेखावाटी के तीनों जिलों से आये सैनी महिला-पुरूषों के प्रबल समर्थन से श्री सरदारमल जी तंवर छावर वाले दुबारा केन्द्रीय अध्यक्ष चुने गए। श्री उम्मेदराज सैनी एडवोकेट चुनाव अधिकारी थे। सर्वसम्मति से श्री सरदारमल जी को अपनी कार्यकारिणी गठित करने का अधिकार दिया गया। इस चुनाव ने यह सिद्ध कर दिया है कि श्री सरदारमल जी नाम के ही सरदार नहीं हैं काम के भी सरदार हैं। आपने 25 दिसम्बर को चूरू में शेखावाटी के तीनों जिलों को इकट्ठा कर एक अनूठा सामयिक कार्यक्रम आयोजित करवाकर जन-जन की सराहना बटोरी है। इस तरह आप शेखावाटी सैनी समाज के दिलों के सरदार बन गए है।

माली सैनी सन्देश के आजीवन सदस्य सूची

श्री रामचन्द्र सोलंकी पुत्र श्री गोविन्दराम सोलंकी, जोधपुर
श्री नरेश गेहलोत पुत्र स्व. श्री बलदेवसिंहजी जोधपुर
श्री प्रभाकर टाक (पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका) पीपाड़ शहर
श्रीबाबूलाल टाक (पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका) पीपाड़ शहर
श्री बंशीलाल मारोठिया पीपाड़ शहर
श्री बाबूलाल गेहलोत पुत्र श्री दयाराम जोधपुर
श्री सोहनलाल देवड़ा पुत्र श्री हापुराम देवड़ा मथानियां
श्री अमृतलाल परिहार पुत्र श्री ब्रह्मसिंह परिहार जोधपुर
श्री भोमाराम पंवार (उपाध्यक्ष नगर पालिका) बालोतरा
श्री रमेश कुमार पुत्र श्री शंकरलाल गहलोत बालोतरा
श्री लक्ष्मीचन्द सुंदेशा पुत्र श्री मोहनलाल सुंदेशा बालोतरा
श्री वासुदेव गहलोत पुत्र श्री बाबूलाल गहलोत बालोतरा
श्री महेश बी. चौहान पुत्र श्री भगवानदास चौहान बालोतरा
श्री हेमाराम माली पुत्र श्री रूपाराम पंवार बालोतरा
श्री सुरेश कुमार पुत्र श्री हरिराम पंवार बालोतरा
श्री छगनलाल गहलोत पुत्र श्री मिश्रीलाल गहलोत बालोतरा
श्री सोनाराम सुंदेशा पुत्र श्री पूनम सुंदेशा बालोतरा
श्री सुजाराम सुंदेशा पुत्र श्री देवाराम सुंदेशा बालोतरा
श्री नरेन्द्र कुमार पंवार पुत्र श्री अणदाराम पंवार बालोतरा
श्री शंकरलाल (पार्षद) पुत्र श्री मिश्रीमल परिहार बालोतरा
श्री घेवरचंद पंवार पुत्र श्री भोमजी पंवार बालोतरा
श्री रामकरण माली पुत्र श्री किसनाराम माली बालोतरा
श्री रतन परिहार पुत्र श्री देवजी परिहार बालोतरा
श्री कैलाश काबली (अध्यक्ष माली समाज) पाली
श्री घीसाराम देवड़ा (मंडल महामंत्री भाजपा) भोपालगढ़
श्री शेषाराम श्यामलाल टाक पीपाड़ शहर
श्री बाबूलाल माली (सरपंच महिलावास) सिवाणा
श्री रमेश कुमार सांखला सिवाणा
श्री श्रवणलाल कच्छवाह, लवेरा बावड़ी
संत हजारीलाल गहलोत जैतारण
श्री मदनलाल गहलोत जैतारण
श्री राजूराम सोलंकी जालोर
श्री जितेन्द्र जालोरी जालोर
श्री देविन लच्छाजी परिहार डीसा
श्री हितेश भाई मोहन भाई पंवार डीसा
श्री प्रकाश भाई नाथालाल सोलंकी डीसा
श्री मगनलाल गीगा जी पंवार डीसा
श्री कांतिभाई गलबाराम सुंदेशा डीसा
श्री नवीनचन्द दलाजी गहलोत डीसा
श्री शिवाजी सोनाजी परमार डीसा
श्री पोपटलाल चमनाजी कच्छवाह डीसा
श्री भोगीलाल डायाभाई परिहार डीसा
श्री मुकेश ईश्वरलाल देवड़ा डीसा

श्री सुखदेव वक्ता जी गहलोत डीसा
श्री दरगाजी अमराजी सोलंकी डीसा
श्री भरतकुमार परखाजी सोलंकी डीसा
श्री जगदीश कुमार रमाजी सोलंकी डीसा
श्री किशोर कुमा सांखला डीसा
श्री बाबुलाल गीगाजी टाक डीसा
श्री देवचन्द रगाजी कच्छवाह डीसा
श्री सतीश कुमार लक्ष्मीचन्द सांखला डीसा
श्री गणपतलाल नारायण सोलंकी डीसा
श्री रमेशकुमार भूराजी परमार डीसा
श्री वीराजी चेलाजी कच्छवाह डीसा
श्री सोमाजी रूपाजी कच्छवाह डीसा
श्री शंकरलाल नारायणजी सोलंकी डीसा
श्री फुलाजी परखाजी सोलंकी डीसा
श्री अशोक कुमार पुनमाजी सुंदेशा डीसा
श्री देवाराम पुत्र श्री मांगीलाल परिहार सोढ़ो की ढाणी
श्री सम्पतसिंह पुत्र श्री बींजारामजी गहलोत जोधपुर
श्री भगवानराम पुत्र श्री अचलुराम गहलोत जोधपुर
श्री जितेन्द्र पुत्र श्री प्रेमसिंह कच्छवाह जोधपुर
श्री सीताराम सैनी पुत्र श्री सुरजमल सैनी सरदारशहर
श्री जीवनसिंह पुत्र श्री शिवराज सोलंकी जोधपुर
श्री घेवरजी पुत्र श्री भोमजी सर्वोदय सोसायटी जोधपुर
श्री जयनारायण गहलोत चौपासनी चारणान मथानियां
श्री अशोक कुमार पुत्र श्री लक्ष्मीनारायण सोलंकी गेंवा जोधपुर
श्री रामेश्वरलाल (सुशील कुमार) गहलोत जोधपुर
श्री मोहनलाल परिहार पुत्र श्री पुरखाराम परिहार चौखा
श्री प्रेमकिशन पुत्र श्री भंवरलाल सोलंकी चौखा
श्री मोहनलाल परिहार पुत्र श्री पुरखाराम परिहार चौखा
श्री हरीसिंह पुत्र श्री चुन्नीलाल गहलोत, जैसलमेर
श्री विजय परमार, तुषार मोटर्स एण्ड कम्पनी भीनमाल
श्री भंवरलाल पुत्र श्री किस्तुर सोलंकी भीनमाल
श्री शिवलाल परमार, भगवती खाद बीज भण्डार भीनमाल
श्री ओमप्रकाश परिहार राजस्थान फार्मेसिया जोधपुर
श्री प्रेमप्रकाश सैनी, मिलन रेस्टोरेंट सीकर
श्री लक्ष्मीकांत पुत्र श्री रामलाल भाटी सोजतरोड़
श्री राम अकेला पुत्र श्री गोकुलराम सैनी, पीपाड़ शहर
श्री नरेश देवड़ा देवड़ा मोटर्स जोधपुर
श्री प्रेमसिंह सांखला सांखला सिमेंट जोधपुर
श्री संपतसिंह पुत्र स्व. श्री बींजाराम गहलोत जोधपुर
श्री कस्तुरराम पुत्र श्री हिमाजी सोलंकी भीनमाल
श्री सांवरराम परमार भीनमाल
श्री भारताराम परमार भीनमाल
श्री भंवरलाल पुत्र श्री किस्तुर सोलंकी भीनमाल

श्री विजय पुत्र श्री गुमानराम परमार भीनमाल
श्री डी.डी.भाटी पुत्र श्री भंवरलाल भाटी जोधपुर
श्री ब्रजमोहन पुत्र स्व. श्री रामस्वरूप परिहार जोधपुर
श्री प्रेमसिंह पुत्र श्री किशोरलाल परिहार सूरसागर जोधपुर
श्री जयसिंह पुत्र श्री ओमदत गहलोत सूरसागर जोधपुर
श्री मनोहरलाल पुत्र श्री मदनलाल गहलोत जोधपुर
श्री समुन्द्रसिंह पुत्र श्री नारायणसिंह परिहार जोधपुर
श्री हिम्मतसिंह पुत्र श्री हरीसिंह गहलोत जोधपुर
श्री हनुमानसिंह पुत्र श्री बालूराम सैनी आदमपुरा
श्री अशोक सांखला पीपाड़
श्री अशोक पुत्र श्री सोहन सांखला जोधपुर
श्री नटवरलाल माली जैसलमेर
श्री दिलीप तंवर जोधपुर
श्री महेन्द्रसिंह पंवार जोधपुर
श्री संपतसिंह गहलोत जोधपुर
श्री जगदीश सोलंकी जोधपुर
श्री मुकेश सोलंकी जोधपुर
श्री श्यामलाल गहलोत जोधपुर
श्री अमित पंवार जोधपुर
श्री राकेश कुमार सांखला जोधपुर
श्री रविन्द्र गहलोत जोधपुर
श्री रणजीतसिंह भाटी जोधपुर
श्री तुलसीराम कच्छवाहा जोधपुर
सैनी उच्च माध्यमिक विद्यालय भोपालगढ़
माली श्री मोहनलाल परमार बालोतरा
श्री अरविन्द सोलंकी जोधपुर
श्री सुनिल गहलोत जोधपुर
श्री कुंदनकुमार पंवार जोधपुर
श्री मनीष गहलोत जोधपुर
श्री योगेश भाटी अजमेर
श्री रामनिवास कच्छवाहा बिलाड़ा
श्री प्रकाशचन्द सांखला ब्यावर
श्री झुमरलाल गहलोत जोधपुर
श्री गुमानसिंह गहलोत जोधपुर
श्री अशोक सोलंकी जोधपुर
श्री महावीरसिंह भाटी जोधपुर
श्री जयप्रकाश कच्छवाहा जोधपुर
श्री अशोक टाक जोधपुर
श्री नरेन्द्रसिंह गहलोत जोधपुर
श्री मदनलाल गहलोत सालावास जोधपुर
श्री नारायणसिंह कुशवाहा मध्यप्रदेश

माली सैनी संदेश

ही क्यों ?

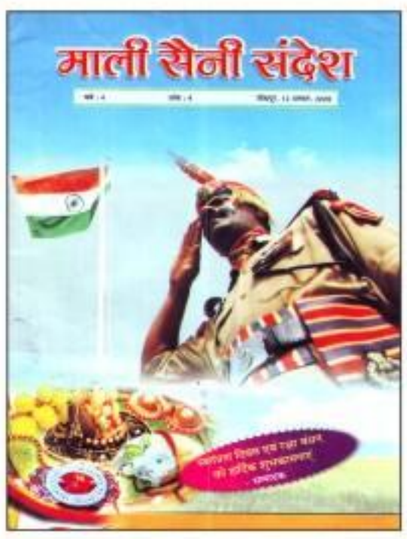

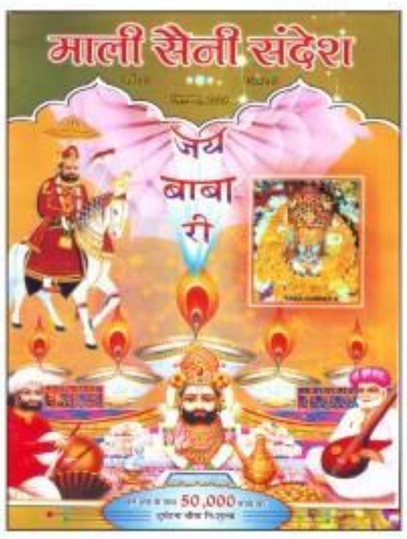

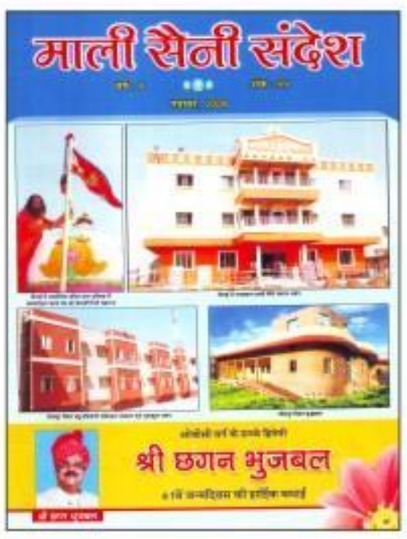

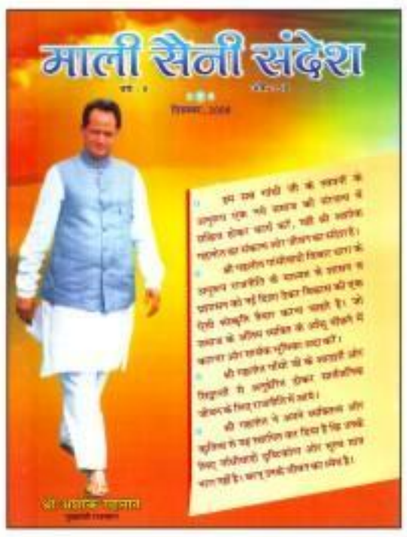

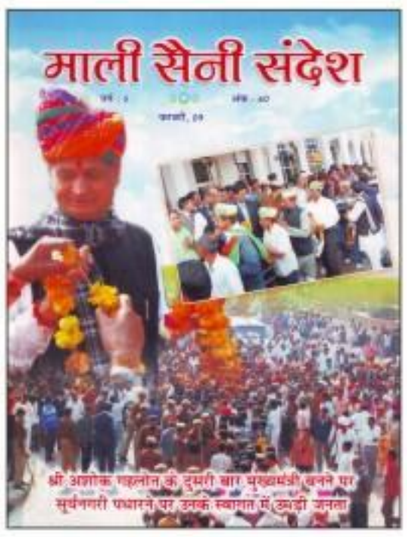

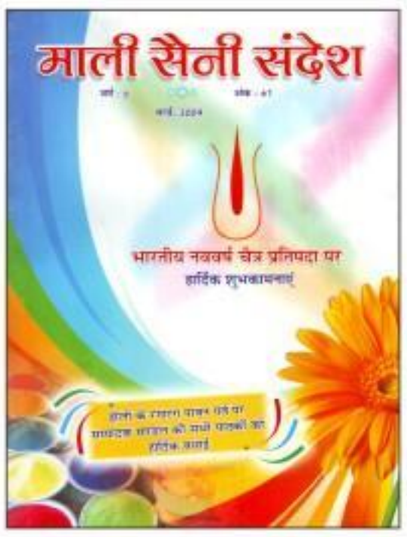

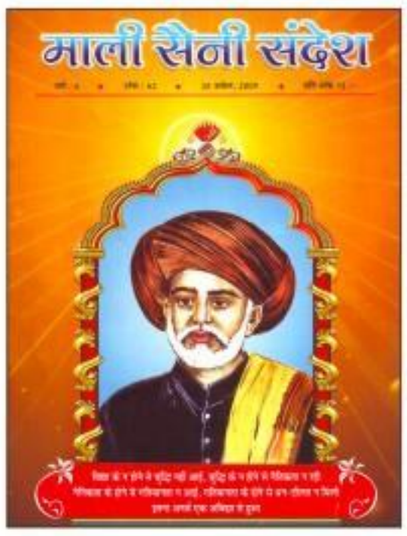

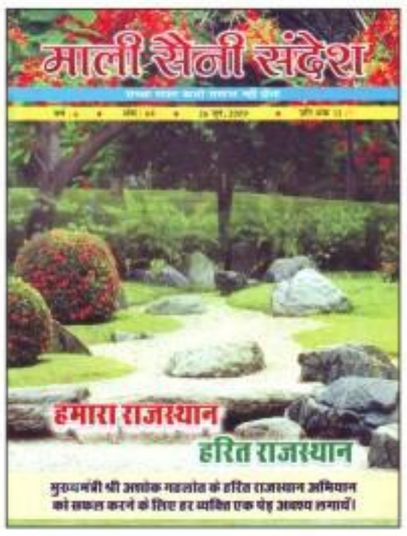

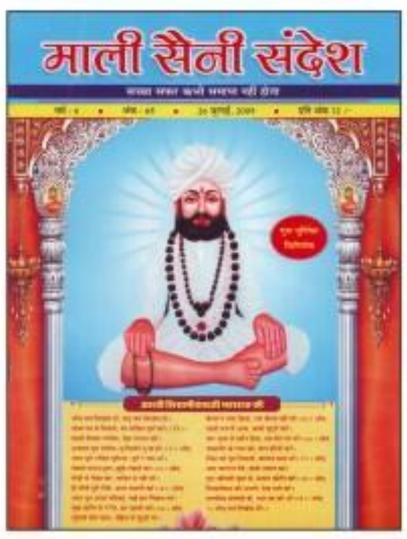

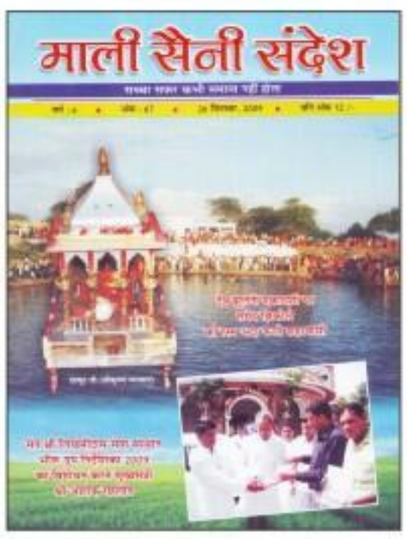

क्योंकि
हमारे पास है सौ एन. आर. आई.
सहित पांच हजार पाठकों
का विशाल संसार

क्योंकि
हम बताते है सच्चाई तथा सामाजिक
गतिविधियों की संपूर्ण जानकारी
जो कि समाज में हो रही है।

हमें विज्ञापन दीजिये

क्योंकि
हमारी क्रियेटिव टीम के साथ
यह सजाती है आपके ब्रांड को पूरे
देश ही नहीं विदेश में भी।

RATES

Advertisements

COLOR (Full Page)

Back Cover	5,000/-
Inside Cover	3,000/-
Strip(One Year)	4,000/-

BLACK

Full Page	1,500/-
Half Page	1,000/-
Strip(One Year)	2,000/-

write us : P. O. Box 09, Jodhpur
Cell : 94144 75464, 92140 75464
e-mail:gahlot.mannish@gmail.com

क्योंकि सच्चा सफर कभी समाप्त नहीं होता . . .

कार्यालय : माली सैनी संदेश
होटल सिटी पैलेस के पीछे,
नई सड़क जोधपुर (राज.)

संत लिखमीदास जी महाराज के भव्य स्मारक के निर्माण कार्य शुभारंभ की झलकियां

दानदाता श्री गंगाराम परिहार का स्वागत करते संत श्री शांतिनाथ जी महाराज

दानदाता श्री गणपत परिहार का स्वागत करते संत श्री शांतिनाथ जी महाराज

माली समाज अध्यक्ष श्री कृपाराम देवड़ा का स्वागत करते संत श्री शांतिनाथ जी महाराज

दानदाता श्री बंशीलाल भाटी का स्वागत करते संस्थान अध्यक्ष श्री राजेन्द्र गहलोत

महात्मा फूले संस्थान अध्यक्ष श्री मांगीलाल पंवार का स्वागत करते पदाधिकारीगण

समाज के प्रबुद्ध वर्गो द्वारा पावन स्थल पर कार सेवा (श्रमदान) करते हुए

श्री रामवल्लभ भाटी
संस्थान कोषाध्यक्ष बहादुरसिंह का स्वागत करते हुए

श्री रामवल्लभ भाटी
भंवरजी तंवर का स्वागत करते हुए

महेन्द्र परिहार का स्वागत करते
संत श्री शांतिनाथजी महाराज

Postal Regd. No. Jodhpur/221/2009-2011 NO. RAJHIN12897/20/1/2004-TC

माली सैनी समाज के गौरव

श्री सुमेधसिंह सैनी

के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब
बनने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

शुभेच्छु : माली सैनी सन्देश परिवार

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं सम्पादक मनीष गहलोत के लिए मुद्रक मोहम्मद मुस्लिम द्वारा हिन्दुस्तान प्रिण्टिंग हाउस इन साईड ईदगाह कम्पाउण्ड जालोरी गेट, जोधपुर से मुद्रित एवं माली सैनी संदेश कार्यालय, 31, गणपति मार्केट नई सड़क, जोधपुर से प्रकाशित।

पत्र व्यवहार के लिए पता
P.O. Box No. 09, JODHPUR